संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 223
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
गुरूवार 12 नवम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

गृह मंत्री अमित शाह ने देखी रणबीर कपूर की रामायण

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परिवार के साथ रणबीर कपूर की फिल्म रामायणः पार्ट-1 देखी। इस दौरान उनके बेटे जय शाह और पूरा परिवार साथ नजर आया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमित शाह 8 नवंबर को दिवाली के मौके पर अपने परिवार के साथ अहमदाबाद के एक सिनेमाघर में फिल्म रामायण देखने पहुंचे थे। वे शहर के पी स्क्वायर थिएटर में फिल्म देखने गए थे।

वायरल वीडियो में अमित शाह और उनके बेटे जय शाह थिएटर से बाहर निकलते दिखाई दे रहे



हैं। इस दौरान अमित शाह को वहां मौजूद लोगों और प्रशंसकों से बातचीत करते हुए भी देखा गया।6 दिनों में फिल्म ने बनाया रिकॉर्ड, 2026 की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग हिंदी फिल्म बनी रामायणः पार्ट- 1 ने सोमवार को वर्ल्डवाइड 107 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ इसका 6 दिनों में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 684 करोड़ हो चुका है। इसी के साथ ये महज 6 दिनों में इस साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है। इसने द्दष्यम 3 के ऑलटाइम कलेक्शन (575 करोड़ रुपए) को भी पछाड़ दिया है। रामायण को हिट करवाने के लिए हिंदी में ही कलेक्शन 900-1000 करोड़ होना चाहिए और वर्ल्डवाइड इसे 2500 करोड़ कमाने होंगे। अगर ये फिल्म सोमवार-मंगलवार को 100-100 करोड़ नहीं कमाती, तो इसका कुल हिंदी कलेक्शन 600-700 करोड़ ही रहेगा।

दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के

दिल्ली-भोपाल में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 पार; यूपी के चार शहरों की हवा भी बेहद खराब

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में 49 शहर भारत के शामिल हैं। वायु गुणवत्ता के ताजा आंकड़े देश में बढ़ते प्रदूषण की गंभीर स्थिति को उजागर कर रहे हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 9:54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा केवल पाकिस्तान का लाहौर शामिल था, जो 430 अंक के साथ



14वें स्थान पर रहा। दीपावली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण का स्तर लगातार गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में मंगलवार सुबह छह बजे चांदनी चौक का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच गया, जबकि कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 300 से ऊपर दर्ज की गई। मध्य प्रदेश के भोपाल और उज्जैन के साथ हरियाणा के बहादुरगढ़ में भी प्रदूषण का स्तर 400 के पार पहुंच गया। वहीं, उत्तर प्रदेश के नोएडा में 332, बुलंदशहर में 331, गाजियाबाद में 324 और बागपत में 305 अंक दर्ज किए गए। इन आंकड़ों ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित कई इलाकों में लोगों की चिंता बढ़ा दी है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के मानकों के अनुसार, 201 से 300 तक का स्तर खराब, 301 से 400 तक बेहद खराब और 401 से 500 तक गंभीर श्रेणी में माना जाता है। गंभीर प्रदूषण का असर केवल पहले से बीमार लोगों पर ही नहीं, बल्कि स्वस्थ व्यक्तियों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में लगातार बिगड़ती हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। दूसरी ओर, तमिलनाडु के थूथुकुडी समेत कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बारिश की संभावना जताई है। वहीं, आंध्र प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम में बदलाव के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में कहीं बारिश तो कहीं प्रदूषण की समस्या बनी हुई है।

ममता के कोलकाता वाले घर पहुंची दिल्ली पुलिस, नोटिस दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस का एक कर्मी पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास 30इ, हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर पहुंचा। संसद मार्ग थाने के कर्मचारी ने CrPC की धारा 160 के तहत नोटिस दिया। दरअसल, इस केस में ममता आरोपी नहीं, बल्कि बतौर गवाह/पीड़ित बुलाई गई हैं। CrPC 160 धारा के तहत पुलिस किसी भी व्यक्ति को- जिसे केस के बारे में जानकारी हो, बयान देने के लिए थाने बुला सकती है।

दिल्ली के योजना भवन में प्लानिंग कमीशन का दफ्तर था। ममता यहां बंगाल के सालाना प्लान के लिए मीटिंग करने के लिए वित्त मंत्री अमित मित्रा के साथ गई थीं। SFI और CPI(M) के करीब 125-150 कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। ये लोग कोलकाता में SFI नेता सुदीप्तो गुप्ता की पुलिस हिरासत में मौत का विरोध कर रहे थे।

पुलिस ने ममता को श्क्ढ गेट से



जाने को कहा था, लेकिन वो मेन गेट से पैदल ही भीड़ के बीच से गईं। भीड़ में अमित मित्रा को धक्का दिया गया, कुर्ता फाड़ दिया गया, सीने पर मुक्का मारा गया। उन्हें बाद में AIIMS में भर्ती कराना पड़ा। तब ममता बनर्जी ने कहा था - "मुझे लोहे की रॉड से मारने की कोशिश की गई, फिरहाद हाकिम ने बचाया।" इसी केस में SFI महासचिव ऋतब्रत बनर्जी, दिल्ली CPI(M) सचिव PMS ग्रेवाल समेत 6 लोगों को तब गिरफ्तार किया गया था।

13 साल बाद पुलिस ममता के घर क्यों गई

दरअसल, 13 साल पुराना केस अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

सोनिया गांधी की किताब में पीएम मोदी का भी जिक्र

कहा- आमने-सामने आने पर नहीं मिलाते हैं आंखें; और क्या दावा

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को लेकर कहा है कि दोनों के बीच कभी वास्तविक बातचीत नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि जब भी दोनों आमने-सामने आते हैं तो मोदी उनसे नजरें मिलाने से बचते हैं। सोनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने भारत के विचार के लिए लड़ रहे हैं और वह अपने विचारों के लिए। सोनिया गांधी ने ये बातें अपनी बहुप्रतीक्षित संस्मरण पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' में लिखी हैं। हार्परकॉलिन्स इंडिया की ओर से प्रकाशित यह किताब मंगलवार को बाजार में आई। सोनिया ने किताब में लिखा है कि नरेंद्र दामोदरदास मोदी 12 साल से अधिक समय से देश के प्रधानमंत्री हैं और अब उनका तीसरा कार्यकाल चल रहा है। इसके बावजूद उनकी मोदी से कभी



कोई वास्तविक बातचीत नहीं हुई। सोनिया गांधी ने बताया कि संसद के हर सत्र के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में मिलते हैं। वहां भी दोनों के बीच केवल औपचारिक अभिवादन होता है। सोनिया के मुताबिक, पहले अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता आपस में शिष्टाचार और सौहार्द के साथ मिलते थे, लेकिन अब स्थिति अलग है। उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी आमने-सामने आने पर नजरें फेर लेते हैं और आंखों से संपर्क बनाने से बचते हैं। सोनिया गांधी ने लिखा कि कुछ मौकों पर जब वह अस्पताल में इलाज के बाद लौटीं तो पीएम मोदी ने उनसे पूछा, 'ठीक हैं आप?' इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'जी, अब मैं ठीक हूं, शुक्रिया।' उन्होंने कहा कि इस तरह की छोटी बातचीत के अलावा दोनों के बीच कभी कोई संवाद नहीं हुआ। हालांकि, समय-समय पर जन्मदिन और नए साल की औपचारिक शुभकामनाओं का आदान-प्रदान जरूर हुआ है।'दोनों की भारत को लेकर सोच अलग'सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि पीएम मोदी और उनके विचारों की दुनिया अलग-अलग है। उनके मुताबिक, उन्होंने भारत को अपने परिवार के सदस्यों के जीवन, सेवा और अनुभवों के जरिए समझा। उनके परिवार का विश्वास ऐसे देश में था, जिसमें अलग-अलग जातियों, संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों के लोगों के लिए जगह हो और सभी को स्वतंत्रता व समानता मिले। वहीं, सोनिया ने लिखा कि पीएम मोदी के भारत का विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारकों और उनके अपने जीवन के अनुभवों से बना है।

CM चंद्रबाबू बोले- 500-2000 के नोट बंद हों

आंध्र प्रदेश (एजेंसी)। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 500 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर देने चाहिए। सिर्फ 100 और 200 रुपए के नोट ही चलन में रहने चाहिए। बड़े नोटों का चलन कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि पहले भी डिजिटल करेंसी को लेकर एक रिपोर्ट तैयार कर पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपी थी। अब वे फिर इस मुद्दे को उठाएंगे। नायडू ने यह मांग 9 नवंबर को अमरावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठाई थी। यह बयान 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के 10 साल पूरे होने के अगले दिन आया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने 19 मई 2023 को 2000 के नोट चलन से वापस लेने का फैसला किया था, लेकिन ये नोट अभी भी कानूनी रूप से वैध हैं। यानी इनसे लेन-देन किया जा सकता है। 8 नवंबर 2016 को ₹500 और ₹1,000 के पुराने नोट बंद किए गए थे। आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय



चुनावों का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि नतीजे नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) के प्रति जनता के बढ़ते समर्थन को दिखाते हैं। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन ने चुनावों में धनबल के प्रभाव को कम करने में कामयाबी हासिल की है।सीएम की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, शहरी स्थानीय निकाय और परिषद चुनावों में NDA को 58.9% वोट मिले। यह 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले 55.3% वोटों से 3.6 प्रतिशत अंक ज्यादा है। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (YSRCP) का वोट शेयर 2024 के 39.81% से घटकर स्थानीय निकाय चुनावों में 33.56% रह गया। इसमें 6.25 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है। नायडू के मुताबिक, दोनों दलों के बीच वोट शेयर का अंतर 25.34 प्रतिशत अंक रहा।

योगनगरी में बनेगा गोसदन, नंदीशाला और एबीसी सेंटर भी बनेंगे, मुख्यमंत्री धामी ने की ये घोषणाएं

ऋषिकेश(एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। नगर निगम क्षेत्र में गोसदन, नंदीशाला और निराश्रित कुत्तों के लिए एबीसी (पशु जन्म नियंत्रण) केंद्र स्थापित किया जाएगा। वहीं संजय झील के सुंदरीकरण और सफाई के लिए वन विभाग के माध्यम से दो करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। झील क्षेत्र में चार कक्षों का विश्राम गृह बनाने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी न ने कहा कि ऋषिकेश क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए वाटर ड्रेनेज प्लान तैयार किया गया है।



इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बन चुकी है। जल्द ही इसे स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जलभराव की समस्या से वह भलीभांति परिचित हैं और इसके समाधान के लिए सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री धामी ने वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले के मद्देनजर ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से आइकॉनिक सिटी विकसित की जा रही है। कुंभ के दृष्टिगत क्षेत्र के पुराने और नए घाटों का पुनर्निर्माण एवं नवनिर्माण भी कराया जाएगा। इसके लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा में जनता की अहम भूमिकापूर्व सीडीएस अनिल चौहान बोले- सतर्कता, जागरूकता और कार्रवाई जरूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि जिस देश के नागरिक जागरूक और जानकारी रखने वाले होते हैं, उसकी सीमाओं को कोई ताकत खतरा नहीं पहुंचा सकती। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सशस्त्र बलों और सरकारी अधिकारियों तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भी अहम भूमिका है।जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) ने तीन नवंबर को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में 'भारत की रणनीतिक संस्कृति और राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। पूर्व सीडीएस ने कहा, "राष्ट्रीय सुरक्षा सतर्कता, जागरूकता और कार्रवाई से जुड़ी है। यह केवल सशस्त्र बलों और सरकारी अधिकारियों तक सीमित रहने वाला विषय नहीं हो सकता। लोकतंत्र में लोग वह माहौल तैयार करते हैं, जिसमें सरकार फैसले लेती है।"



उन्होंने कहा कि जागरूक और जानकारी रखने वाले नागरिक किसी भी देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग' की बिक्री शुरू

544 पेज में 7 चैप्टर; राजीव से प्यार, इटली का पासपोर्ट छोड़ने और PM पद ठुकराने की कहानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में 544 पेज हैं और इसे 7 चैप्टर में बांटा गया है। पहले एडिशन के लिए एक लाख कॉपियां छापी गई हैं।किताब के कवर पर सोनिया का फोटो है, जिसे 1966 में राजीव गांधी ने क्लिक किया था। शुरूआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रेहान और मिराया के नाम।इसके बाद एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचाएं ली गई हैं। सोनिया ने किताब को निजी मेमॉयर बताया है और कहा है कि यह राजनीतिक किताब नहीं है। इसमें गांधी परिवार के साथ हुई त्रासदियों और 2004 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र है।किताब के 7 चैप्टर में राजीव से मुलाकात, प्यार-शादी, भारत आना, राजीव के निधन के बाद कांग्रेस का नेतृत्व करने और पार्टी को बहुमत मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री न बनने के फैसले का जिक्र किया गया है।सोनिया 19 साल की उम्र में इटली से अंग्रेजी सीखने कैम्ब्रिज पहुंची थीं। वहां एक ग्रीक रेस्टोरेंट में उनकी नजर राजीव गांधी पर पड़ी। जनवरी के एक दिन दोस्त क्रिश्चियन वॉन स्टिगलिट्ज ने दोनों की मुलाकात कराई।सोनिया के मुताबिक, पहली मुलाकात में ही दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। राजीव दिल्ली से कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में इंजीनियरिंग की



पढ़ाई करने आए थे। धीरे-धीरे दोनों की मुलाकातें बढ़ने लगीं। साथ घूमना, दोस्तों के साथ पार्टियों में जाना और छुट्टियां बिताना उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया।राजीव पहली बार सोनिया को वैलेंटाइन डे पर एक पार्टी में ले जाने पहुंचे थे। सोनिया के मुताबिक, उन्हें देखकर राजीव कुछ पल के लिए ठिठक गए थे। दोनों को लगने लगा था कि वे हमेशा साथ रहना चाहते हैं।2. पिता के गुस्से के डर से परिवार को नहीं बताया सोनिया राजीव से अपने रिश्ते के बारे में परिवार को बताने से डरती थीं। उनके पिता स्टेफानो मैनो काफी सख्त स्वभाव के थे। सोनिया को डर था कि पता चलने पर वे उन्हें तुरंत इटली वापस बुला लेंगे।3. पिता ने रूस में गरीब परिवार की मदद की, बेटियों के नाम उनकी बच्चियों के नाम पर सोनिया के पिता अनुशासन पसंद थे, लेकिन जरूरतमंदों की मदद के लिए भी हमेशा तैयार रहते थे। वे दूसरे विश्वयुद्ध में इटली की सेना से रूस के मोर्चे पर लड़े थे। वहां उन्होंने एक गरीब परिवार के बच्चों को खाना दिया था।उस परिवार की दो बच्चियों के नाम अनूश्का और सोनिया थे। उन्होंने अपनी बेटियों के नाम भी उन्हीं बच्चियों के नाम पर रखे। हालांकि, चर्च में उनके नाम एलेसांद्रा और एंटोनिया दर्ज हुए, लेकिन परिवार में वे अनूश्का और सोनिया के नाम से ही जानी गईं।सोनिया ने किताब में बताया कि उन्होंने काफी समय तक अपना इटली का पासपोर्ट संभालकर रखा था, क्योंकि वह उनकी पहचान का हिस्सा था, जिसे वे इटली से भारत लेकर आई थीं। इस पासपोर्ट के जरिए उन्हें अपने माता-पिता से मिलने के लिए कई तरह के फॉर्म और स्पॉन्सरशिप लेटर की औपचारिकताएं नहीं करनी पड़ती थीं। हालांकि, समय के साथ इटली जाना कम हो गया और वहां की जीवनशैली से उनका जुड़ाव भी पहले जैसा नहीं रहा।

बांग्लादेश में बसें फूंकीं, थानों के बाहर बम धमाके

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पिछले कुछ दिनों से हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। 8 और 9 नवंबर को कई जगह धमाके और आगजनी हुई है।

(एजेंसी)। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के वकीलों ने भारत में उनके नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (NID) के लिए आवेदन किया है। हसीना ने कहा है कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उनके लौटने से पहले ही देश में राजनीतिक तनाव बढ़ने लगा है।ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (DMP) के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अख्तर हुसैन के मुताबिक, रविवार 8 नवंबर की शाम से देर रात तक राजधानी के करीब 10 इलाकों में 15 से 20 घटनाएं हुईं। इनमें देसी बम फेंकने और गाड़ियों में आग लगाने की घटनाएं शामिल हैं। ढाका यूनिवर्सिटी में ही देसी बम धमाके की 6 घटनाएं हुईं। धमाके नीलखेत चौराहे, यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट, सीनेट बिल्डिंग के सामने, इंस्टीट्यूट ऑफ मॉडर्न लैंग्वेजेज के पास, TSC के नजदीक मेट्रो स्टेशन के पास और सुफिया कमाल हॉल के बाहर हुए। पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच देशभर में देसी बम धमाके की 31 और गाड़ियों में आग लगाने की 14 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें



2 लोग घायल हुए, जबकि 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस बोली- पैसे देकर लोगों से हमले कराए जा रहे पुलिस ने इन हमलों के पीछे शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के लोगों का हाथ होने का शक जताया है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी शुरूआती दौर में है। अख्तर हुसैन ने बताया कि जांच में ऐसे संकेत मिले हैं कि कुछ लोगों को पैसे देकर हमले करने के लिए तैयार किया गया था। अवामी लीग ने पुलिस के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद अली आराफात ने दावा किया कि विरोधी गुट पार्टी को बदनाम करने और हमलों का आरोप उस पर डालने के लिए ये घटनाएं करवा रहे हैं। बांग्लादेश पुलिस ने कहा कि हालात से निपटने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

चुनाव आयोग का निर्देश : सेवानिवृत्त अधिकारी भी आचार संहिता के दायरे में

नई दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों पर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इन पांचों राज्यों के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे पत्र में, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि कार्यरत सरकारी कर्मचारियों पर लागू होने वाली सभी पाबंदियां और रोक, राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा काम पर रखे गए सेवानिवृत्त अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों पर भी लागू होंगी। चुनाव आयोग ने अधिकारियों से किसी भी चुनाव प्रचार या वोट मांगने के काम में हिस्सा न लेने की स्पष्ट अपेक्षा की है। उन्हें विशेष रूप से यह ध्यान रखने को कहा गया है कि वे किसी एक व्यक्ति, राजनीतिक दल या समूह की मदद करने के लिए अपने नाम, आधिकारिक पद या अधिकार का दुरुपयोग न करें। चुनाव आयोग ने याद दिलाया कि आदर्श आचार संहिता के नियम उन सभी संगठनों, समितियों, निगमों और आयोगों पर लागू होते हैं जिन्हें सरकार से पूरी या आंशिक फंडिंग मिलती है, और ये नियम उनके कर्मचारियों पर भी प्रभावी होते हैं। इसके अतिरिक्त, राज्यों में लागू आचरण नियम पहले से ही सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों और चुनावों में भाग लेने से रोकते हैं। आयोग के वरिष्ठ अधिकारी लगातार चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। माना जा रहा है कि आयोग जल्द ही इन राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है, जैसा कि 2022 में 8 जनवरी के आसपास हुआ था।

राष्ट्रीय महिला आयोग को मिलीं सालाना लाखों शिकायतें : घरेलू हिंसा शीर्ष पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) को हर साल करीब 1.5 लाख शिकायतें मिलती हैं, जिसमें घरेलू हिंसा से जुड़े मामले सर्वाधिक होते हैं। यह जानकारी महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं आयोग के ऑनलाइन पोर्टल, प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस), ईमेल, व्यक्तिगत रूप से या 24 घंटे की हेल्पलाइन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। महिला आयोग की अध्यक्ष रहाटकर ने बताया कि किसी भी महिला को शिकायत का तरीका न पता होने के कारण एनसीडब्ल्यू से संपर्क करने में कोई कठिनाई महसूस नहीं होनी चाहिए। आयोग की जनसंपर्क पहल राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार का जिक्र कर रहाटकर ने बताया कि इसके तहत आयोग विभिन्न राज्यों में जनसुनवाई करता है। इसका उद्देश्य उन महिलाओं तक पहुंचना है जिन्हें आयोग तक आने में मुश्किल होती है। उन्होंने कहा, हम लोगों ने तय किया है कि अगर ये महिलाएं हमारे पास नहीं आ सकतीं, तब हम उनके पास जाएंगे। अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पिछले डेढ़ साल में देशभर में 200 से अधिक प्रत्यक्ष जनसुनवाई आयोजित की गई हैं। रहाटकर ने देशभर की महिलाओं से कहा है कि राष्ट्रीय महिला आयोग उन्हें अपने मायके जैसा लगना चाहिए, जहाँ संपर्क करने में किसी तरह का डर या झिझक न हो।

मैंगलोर पादरी पर नाबालिगों से यौन शोषण का दूसरा केस दर्ज

मंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंगलुरु में 65 वर्षीय कैथोलिक पादरी साइप्रियन पिंटो पर नाबालिग लड़के के यौन शोषण के आरोप में दूसरा मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि पादरी के खिलाफ यह शिकायत 13 वर्षीय लड़के के साथ कथित यौन उत्पीड़न को लेकर मंगलुरु महिला पुलिस थाने में दर्ज हुई है। शिकायत के मुताबिक, परमन्नूर गांव निवासी यह लड़का एक गिरिजाघर में रविवार की प्रार्थना में शामिल होता था और कथित घटना उसी दौरान हुई जब वह चर्च से जुड़ा हुआ था। पादरी साइप्रियन पिंटो पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75(2) (यौन उत्पीड़न) और पॉक्सो अधिनियम की धारा आठ और 12 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सोनिया गांधी की किताब पर भाजपा का हमला: आपातकाल पर पर्दा डालने का आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई किताब 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस पुस्तक में 1975 में लगे आपातकाल को 'सही ठहराने' और नेहरू-गांधी परिवार की ऐतिहासिक गलतियों पर पर्दा डालने की कोशिश हुई है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी आर केसवन ने पोस्ट में कहा कि पुस्तक का शीर्षक 'व्हाइटवॉशिंग' होना चाहिए था, क्योंकि इसका उद्देश्य कांग्रेस द्वारा किए गए गंभीर अपराधों को छिपाना है। यह टिप्पणी तब आई है जब सोनिया गांधी की यह किताब बाजार में आई है, जिसमें उन्होंने आपातकाल को एक गलती बताया है। सोनिया गांधी ने लिखा है कि उन्हें लगता है कि उनकी सास और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी बाद में ऐसा ही महसूस हुआ था। उन्होंने कहा कि अगर संजय गांधी को



'नियंत्रण में' रखा गया होता, तब आपातकाल के दौरान हुए नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसवन ने सोनिया गांधी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाकर कई सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि सोनिया गांधी बाबरी मस्जिद के लिए रोई थीं, लेकिन क्या उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार के दौरान या बाटला हाउस के आतंकियों के लिए बिलखने के बजाय देश की रक्षा में शहीद हुए सीआरपीएफ के वीर जवानों के लिए आंसू बहाए? उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों के लिए सोनिया गांधी के न रोने पर सवाल उठाया और पूछा कि उनकी किताब कांग्रेस नीत संप्रग सरकार की जवाबी कार्रवाई करने में विफलता का जवाब क्यों नहीं देती।

भाजपा प्रवक्ता ने आपातकाल को 'सही ठहराने' और 'सामान्य घटना' बताने की कोशिश को अत्यंत चिंताजनक बताया, क्योंकि आपातकाल ने 'संविधान की हत्या' की थी और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया था। उन्होंने कांग्रेस के करीब 55 वर्षों के शासन को भारतीय राजनीति और लोकतंत्र को अपूरणीय क्षति पहुँचाने वाला बताया। बीजेपी नेता केसवन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए 'ऐतिहासिक पापों और गलतियों' को प्रभावी ढंग से सुधारा है।

डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया से मनमुटाव की खबरों को किया खारिज

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ राजनीतिक मतभेद की अफवाहों का खंडन किया है। अपनी पोस्ट में सीएम शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उनके और सिद्धारमैया के बीच कोई बड़ा या छोटा विवाद नहीं है, बल्कि कुछ लोग जानबूझकर ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं जैसे दोनों नेताओं के बीच कोई दरार पैदा हो गई हो। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया हमारे नेता हैं। कुछ लोग, जिसमें महास्वामीजी भी शामिल हैं, मीडिया में इस बात को अलग तरह से पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सिद्धारमैया से उनकी हालिया मुलाकात स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और त्यौहार की शुभकामनाएं देने के लिए हुई थी। इस बीच, शिवकुमार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर बताया कि सरकार 2008 से पहले अधिग्रहित जमीन पर बनी संपत्तियों को नियमित करने के लिए धारा 38बी के तहत लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती करेगी। इस फैसले से करीब 100,000 संपत्ति मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी, जो अब अपने स्वामित्व के दस्तावेज आसानी से प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि पिछली व्यवस्था के तहत केवल 600 लोगों ने ही आवेदन किया था, जबकि लाखों लोगों को इसका लाभ मिल सकता था। इसके पहले, 10 नवंबर को मुख्यमंत्री शिवकुमार ने लोक भवन में राज्यपाल सुधा यादव से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस मुलाकात को सुखद बताया और राज्यपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार तथा आतिथ्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया।



समाज को तोड़ने वाली ताकतों से रहें सावधान-होसबाले

मथुरा , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि वर्तमान में समाज को तोड़ने वाली और आपसी नफरत की भावना को बढ़ाने वाली ताकतों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। समाज को इस प्रकार के विखंडन से बचाने के लिए एक सकारात्मक एवं संगठित शक्ति का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारत का यह दायित्व है कि वह ऐसा अनुकरणीय जीवन जीकर पूरे विश्व के सामने एक मिसाल पेश करे, जिससे संपूर्ण मानवता मार्गदर्शन प्राप्त कर सके। तभी भारत विश्व गुरु कहाएगा। देश को कोई वैश्विक संगठन विश्व गुरु की उपाधि नहीं देगा। देशवासियों के आचरण और व्यवहार से वह विश्वगुरु कहा जाएगा। वृंदावन के केशव धाम में अन्नकूट प्रसादम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान परिसर के सभागार में उन्होंने विद्यार्थियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समाज में एकता,



समरसता और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि केशव धाम से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अपने जीवन में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने आज के समय में सामाजिक समरसता की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। समारोह के मुख्य आकर्षणों में केशव धाम में अध्ययनरत प्रतिभावान और मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान रहा। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए इन विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ। सभागार के मुख्य कार्यक्रम के उपरांत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केशव धाम परिसर में ही गोबर से निर्मित गोवर्धन महाराज (गिरिराज जी) की प्रतिमा की विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की और प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि की कामना की।

छठ महापर्व: बिहार के घाटों पर पटाखे और निजी नावों पर प्रतिबंध

सुरक्षा हेतु यूएमआरटी मुस्तैद

पटना , एजेंसी। बिहार में 13 से 16 नवंबर, 2026 तक मनाए जाने वाले छठ महापर्व के दौरान संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिला पदाधिकारियों को सुरक्षा एवं आपदा की रोकथाम के लिए व्यापक पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस दौरान घाटों पर पटाखों की बिक्री और उपयोग के साथ-साथ निजी नावों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पत्र में स्पष्ट किया गया है कि छठ महापर्व के दौरान होने वाली संभावित दुर्घटनाओं, विशेषकर डूबने की घटनाओं, भगदड़ एवं अन्य आपात स्थितियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। इसके लिए पहले से जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।



मुख्य निर्देशों में सभी खतरनाक नदी घाटों और तालाबों को चिह्नित कर उनकी व्यापक बैरिकेडिंग शामिल है, ताकि श्रद्धालु गहरे पानी में प्रवेश न कर सकें। इन घाटों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों और स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। चिकित्सा व्यवस्था के तहत, सभी प्रमुख घाटों पर डॉक्टर, पैरामेडिकल टीमें और एम्बुलेंस के साथ-साथ त्वरित चिकित्सा सहायता के लिए क्विक मेडिकल रिस्पॉन्स टीम (क्यूएमआरटी) की तैनाती होगी।

जलस्रोतों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित गोताखोरों, तैराकों और मोटरबोट चालकों को लाइफ जैकेट व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया जाएगा। उनकी पहचान के लिए विशेष जैकेट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी छठ घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी, और बिजली के उपकरणों की अग्रिम जांच की जाएगी ताकि करंट से दुर्घटना न हो।

एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, 13 से 16 नवंबर तक नदी घाटों और तालाबों के समीप पटाखों की बिक्री एवं उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ऐसा भगदड़ और अन्य गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका को देखकर किया गया है। साथ ही, नहाय-खाय से लेकर सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर भी रोक रहेगी, जिसकी निगरानी के लिए घाटों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात होगा।

जिला नियंत्रण कक्षों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, जहां महत्वपूर्ण दूरभाष नंबर उपलब्ध होगा और लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार सुरक्षा संबंधी संदेश प्रसारित किए जाएंगे। आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों को छठ समितियों के साथ बैठक कर उन्हें प्रशिक्षित करने और आवश्यक समन्वय स्थापित करने का भी निर्देश दिया है, ताकि यह महापर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर राज्यों से मांगी रिपोर्ट, 23 नवंबर को सुनवाई

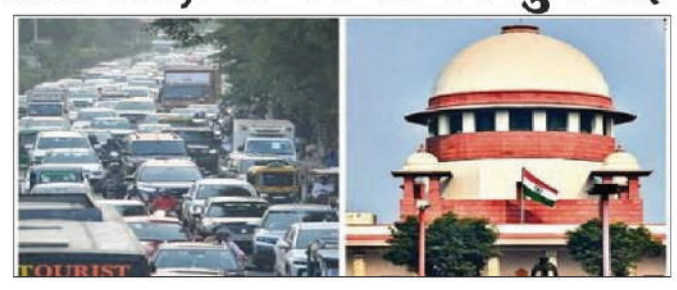
नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में तेज वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त कर तत्काल हस्तक्षेप की जरुरत जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा की सरकारों के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम और दिल्ली पुलिस को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निर्धारित समय सीमा पार कर चुके वाहनों के प्रवेश और संचालन को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी देने का कह दिया है।

शीर्ष न्यायालय ने संबंधित प्राधिकरणों से पूछा है कि वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और बिगड़ती वायु गुणवत्ता में इसके योगदान को कम करने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्तर पर कौन से नए उपाय प्रस्तावित हैं या किन पर विचार हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) संबंधी आवश्यकताओं का पालन सुनिश्चित करने सहित निर्धारित उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं करने वाले वाहनों की पहचान, निगरानी और नियंत्रण के लिए मौजूदा कदमों की जानकारी भी मांगी है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने दिल्ली और एनसीआर में वाणिज्यिक एवं गैर-वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश और आवाजाही को नियंत्रित करने वाले मौजूदा नियामक ढांचे और नियमों को लागू करने की व्यवस्था के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया। विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहनों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है।

यह आदेश शीर्ष अदालत ने एनसीआर में वायु प्रदूषण पर स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई सुनवाई के दौरान 6 नवंबर को दिया था। पीठ ने बताया कि हालांकि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है, जो एक सराहनीय पहल है, लेकिन इन्हीं आंकड़ों से वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के कारण उत्पन्न समस्याओं में तेज वृद्धि एक गंभीर चिंता के रूप में सामने आई है। शीर्ष न्यायालय ने जोर दिया कि दिल्ली और एनसीआर भौगोलिक तथा आर्थिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिसके कारण इन क्षेत्रों को न केवल अपनी सीमाओं के भीतर चलने वाले वाहनों, बल्कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहनों की आवाजाही का संयुक्त रूप से बोझ उठाना पड़ता है। बड़ी संख्या में वाणिज्यिक और गैर-वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश से वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का मौजूदा बोझ और भी बढ़ जाता है, जिस पर तत्काल हस्तक्षेप की जरुरत है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने संबंधित प्राधिकारियों से एनसीआर में निर्धारित अवधि से अधिक पुराने या नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के प्रवेश और संचालन पर रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के



खिलाफ की गई कार्रवाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने अंतरराज्यीय वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और उत्सर्जन मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के बीच मौजूदा समन्वय व्यवस्था के साथ-साथ प्रस्तावित विशेष उपायों और उन्हें लागू करने की समयबद्ध कार्ययोजना की जानकारी मांगी। शीर्ष न्यायालय ने राज्यों को दो सप्ताह के भीतर अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और प्रदूषण से संबंधित महत्वपूर्ण मामले को 23 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

पश्चिम बंगाल में गुंडाराज समाप्त: मिथुन चक्रवर्ती का दावा

कोलकाता, एजेंसी । अनुभवी अभिनेता और राजनेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में गुंडाराज यानी भीड़ का शासन हमेशा के लिए समाप्त हुआ है। दिवाली समारोह के दौरान मीडिया से बात कर उन्होंने राज्य में विपक्ष द्वारा भीड़ के शासन के बढ़ने के दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया। अभिनेता और राजनेता चक्रवर्ती ने कहा कि विपक्ष के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे भीड़ के शासन का मुद्दा उठा रहे हैं।

उन्होंने सवाल किया, हम लोगों ने 15 साल तक क्या सहा है? मैं इसके बारे में क्या कह सकता हूं? वे कह रहे हैं कि गुंडे राज कर रहे हैं। क्या आपने कभी ऐसी आजादी देखी है? आप सवाल क्यों उठा रहे हैं? यह होना ही है। यह दिखाता है कि वह मौजूदा स्थिति को पहले से बेहतर मानते हैं। राजनेता चक्रवर्ती ने विपक्ष पर हमला कर कहा कि उनके लिए अब कुछ नहीं बचा है, और कालीघाट तृणमूल जैसी चीजें खत्म हो गई हैं। उन्होंने कहा, सब खत्म



हो गया है, महोदय।

हालांकि, उनका यह बयान राज्य में बढ़ती भीड़ हिंसा के दावों के बीच आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जैसे ग्रामीण इलाकों में भीड़ द्वारा धमकाने, चर्चों में तोड़फोड़ और अंतिम संस्कार के अधिकारों से वंचित करने जैसे उत्पीड़न के कई मुद्दे उठाए हैं।

उल्लेखनीय है कि जिस 15 साल के भीड़तंत्र के दौर की वह आलोचना कर रहे हैं, तभी लगभग तीन साल तक वे स्वयं टीएमसी के सदस्य रहे थे। 7 फरवरी, 2014 को उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी की ओर से राज्यसभा सांसद के लिए नामांकित किया था, और उन्होंने 26 दिसंबर, 2016 को पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद वे 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में, मिथुन चक्रवर्ती ने वामपंथी से लेकर दक्षिणपंथी तक के सभी वैचारिक पहलुओं को छुआ है। युवावस्था में नक्सलबाड़ी आंदोलन से जुड़ने के बाद, उन्होंने भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) से स्नातक किया, एक सुपरस्टार बने और बाद में मध्य-वामपंथी टीएमसी से होकर अब दक्षिणपंथी भाजपा का हिस्सा हैं।

नोटबंदी से नक्सलवाद और आतंकवाद की कमर टूटी, अर्थव्यवस्था मजबूत हुई: भाजपा

भुवनेश्वर , एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2016 में की गई नोटबंदी ने देश में आतंकवाद और नक्सलवाद पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, साथ ही अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। बीजेपी पार्टी प्रवक्ता सत्यव्रत पांडा ने नोटबंदी के प्रभावों पर प्रकाश डालकर कहा कि इस फैसले से चरमपंथी संगठनों तक नकदी पहुंचने का रास्ता अवरुद्ध हुआ और जाली नोट बेकार हुए। उनका कहना है कि नोटबंदी के योगदान को उचित मान्यता मिलनी चाहिए। बीजेपी प्रवक्ता पांडा ने दावा किया कि नोटबंदी के बाद विभिन्न माओवादी समूहों से करीब 97.75 लाख रुपये जब्त किए, और ओडिशा में नक्सलियों द्वारा जमीन में दबाकर रखी गई अमान्य मुद्रा भी बड़ी मात्रा में मिली। उन्होंने कहा कि नक्सली हिंसा की घटनाओं में भारी कमी आई है; 2010 में जहां 1,936 घटनाएं दर्ज की गई थीं, वहीं अब कोई भी जिला माओवाद प्रभावित क्षेत्रों की सूची में नहीं है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों की संख्या में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

सोनिया की किताब पर रॉबर्ट वाड्रा: मुझे उन पर गर्व है

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव को लेकर सियासी गलियारों में काफी चर्चा है। इस किताब पर उनके दामाद रॉबर्ट वाड्रा का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने अपनी सास के प्रति गहरा सम्मान और गर्व व्यक्त किया है। सोनिया गांधी के दामाद वाड्रा ने कहा कि उन्हें सोनिया गांधी और उनके जीवन के सफर पर बहुत गर्व है, जिसमें उन्होंने प्यार, साहस, हिम्मत और मजबूती की एक असाधारण मिसाल बताया। उन्होंने जोर दिया कि सोनिया गांधी ने जीवन में बहुत कुछ झेला है, फिर भी वे पूरी गरिमा और दृढ़ विश्वास के साथ मजबूती से खड़ी हैं, और उनकी कहानी से हर महिला प्रेरणा ले सकती है। रॉबर्ट वाड्रा के अनुसार, यह किताब एक गहरे प्यार की कहानी है, जिसने भारत के लिए सोनिया गांधी के समर्पण और लगन को आकार दिया है। उन्होंने बताया कि भले ही उन्हें अभी तक यह किताब पढ़ने का मौका नहीं मिला है, लेकिन उन्हें विश्वास है कि इसमें सोनिया गांधी के जीवन, अनुभवों और विचारों को लेकर बहुत गहरी और ईमानदार बातें साझा की गई हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीजा वाड्रा ने लोगों से आग्रह किया कि वे इस किताब को पढ़ें और सोनिया गांधी के अपने शब्दों और उनकी तरफ से साझा की गई कहानी के आधार पर अपनी राय बनाएं।

किताब में सोनिया गांधी ने कई निजी पल साझा किए हैं, जिसमें उन्होंने अपने पति राजीव गांधी से जुड़ी घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने लिखा है कि इंदिरा गांधी की हत्या वाले दिन राजीव ने उन्हें बताया था कि वे प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। यह सुनते ही सोनिया को ऐसा लगा था जैसे किसी ने उनके दिल में छुरा घोंप दिया हो, क्योंकि उन्हें राजीव की चिंता होने लगी थी। राजीव गांधी ने बताया था कि लोग उन्हें भी मार देने वाले है। किताब में 31 अक्टूबर 1984 के उस दुखद दिन का भी वर्णन है, जब इंदिरा गांधी की उनके ही अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी। सोनिया गांधी ने लिखा कि वे घर के बगल वाले दफ्तर के लिए अपनी सास के निकलने के बाद नहाने ही वाली थीं कि उन्हें धमाकों जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिससे वे ठिठक गईं।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती और उन्नत कृषि पद्धतियों पर विशेष जोर



कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए आधुनिक तकनीक, निवेश और नवाचार को दिया जा रहा है बढ़ावा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी, आधुनिक और रोजगारपरक बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने तथा खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक, नवाचार और उन्नत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली मंडपम में निजी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित भारत एग्रीकल्चरल कॉन्फ्रेंस में सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का विशेष ध्यान प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर है। किसानों को परंपरागत खेती के साथ नई तकनीकों और लाभकारी कृषि गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।कृषि क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। सिंगल विंडो सिस्टम से निवेशकों को विभिन्न विभागों की आवश्यक अनुमतियां एक ही व्यवस्था के अंतर्गत उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार कर अधिक से अधिक कृषि भूमि को सिंचित क्षेत्र के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराने के साथ कृषि अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। इससे उत्पादन में वृद्धि और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सरकार द्वारा महिला किसानों, युवाओं और प्रगतिशील किसानों को कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। कृषि को केवल परंपरागत व्यवसाय तक सीमित न रखते हुए इसे आधुनिक तकनीक, उद्यमिता और रोजगार से जोड़ने की दिशा में पहल की जा रही है। किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, बेहतर बीज, आधुनिक कृषि उपकरणों तथा फसल प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे किसानों को बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन करने और बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। राज्य सरकार का लक्ष्य कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आय और जीवन स्तर में सुधार करना है। आधुनिक कृषि, निवेश, नवाचार और किसान-केंद्रित योजनाओं के समन्वय से मध्यप्रदेश को कृषि के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

अनुकंपा नियुक्ति एवं लंबित पेंशन प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें : संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों एवं लोकसेवा गारंटी के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के दिए निर्देश



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने संभाग के सभी जिलों में अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों एवं पेंशन संबंधी मामलों का विशेष अभियान चलाकर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन एवं शासकीय सेवकों से जुड़े इन मामलों के निराकरण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो. संबंधित अधिकारी समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें। संभागायुक्त श्री शर्मा बुधवार को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में संभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, उपायुक्त राजस्व श्रीमती भारती देवी मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संभागायुक्त ने सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों, लोकसेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों तथा आयुक्त कार्यालय की विकास शाखा में लंबित मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने और नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने विशेष रूप से भोपाल जिले में राजस्व एवं लोकसेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित लंबित प्रकरणों की अधिक संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए इनके निराकरण के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने स्तर पर लंबित मामलों की समीक्षा करें और प्रभावी कार्ययोजना बनाकर उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।

स्वामित्व योजना से ग्राम उनीदा के प्रत्येक पात्र परिवार को मिला संपत्ति का वैधानिक अधिकार, शत-प्रतिशत रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण

ड्रोन सर्वे और प्रशासनिक प्रयासों से ग्रामीणों को मिला अपनी संपत्ति का कानूनी दस्तावेज, स्वामित्व सुरक्षित होने से खुलेंगे आर्थिक सशक्तिकरण के नए अवसर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के अधिकार को सुनिश्चित करने और ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी दिशा में भोपाल जिले की बैरसिया तहसील की ग्राम पंचायत उनीदा ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए स्वामित्व योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कर लिया है। ग्राम पंचायत उनीदा में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से पात्र ग्रामीण परिवारों को उनकी आवासीय संपत्तियों का वैधानिक स्वामित्व प्राप्त हुआ है। इससे वर्षों से चली आ रही संपत्ति संबंधी अनिश्चितता दूर होने के साथ ही ग्रामीणों को अपने मकान और भूमि पर कानूनी अधिकार सुनिश्चित करने में मदद मिली है। स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन तकनीक से गांवों की आबादी भूमि का सर्वेक्षण कर संपत्तियों का चिह्नांकन किया जाता है। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अभिलेख तैयार कर ग्रामीणों को संपत्ति कार्ड एवं रजिस्ट्री उपलब्ध कराई जाती है। इससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आने, संपत्ति के दस्तावेजों के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त करने तथा ग्रामीणों की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं बढ़ती हैं। ग्राम पंचायत उनीदा की यह उपलब्धि प्रशासनिक समन्वय, राजस्व अमले की सक्रियता और ग्रामीणों के सहयोग का परिणाम है। शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूर्ण होने से ग्राम पंचायत ने ग्रामीणों को संपत्ति का अधिकार दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। 10 नवंबर 2026 की स्थिति में भोपाल संभाग के पांच जिलों भोपाल, राजगढ़, रायसेन, विदिशा एवं सीहोर में कुल 5,57,193 संपत्तियों और 5,519 गांवों के अंतर्गत स्वामित्व योजना का कार्य किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने श्री शुक्ल ने अगडाल उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया लोकार्पण

प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में शीघ्र ही तीन हजार डॉक्टर होंगे पदस्थ - उप मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अगडाल में 65 लाख रुपए की लागत से बनाए गए उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने समारोह में 70वीं राज्य स्तरीय हैण्डबाल प्रतियोगिता में बालक और बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रीवा संभाग की टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की चिंता करनी चाहिए। सरकार ने 30 साल से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की सुविधा सरकारी अस्पतालों में दी है। समय पर रोग का पता लग जाए तो आसानी से उपचार हो जाता है। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन और जाँच सुनिश्चित करने में परिवार के लोग भी स्वास्थ्य विभाग को सहयोग करें। गर्भवती महिलाओं की देखभाल स्वास्थ्य कर्मियों की जिम्मेदारी है। आमजनता भी महिलाओं और शिशुओं की स्वास्थ्य रक्षा के प्रति जागरूक रहे। पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए अभियान चलाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तीन हजार से अधिक डॉक्टरों की भर्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए की गई है। शीघ्र ही सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टर उपलब्ध होंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा जिले ही नहीं पूरे प्रदेश और देश में तेजी से विकास के कार्य हो रहे हैं। कुछ विदेशी शक्तियाँ देश के तेज गति से विकास को सहन नहीं कर पा रही हैं। देश में भी कई लोग बार-बार झूठ और भ्रम फैलाकर निगेटिव नरेटिव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमें विकास के कार्यो के साथ-साथ आमजनता को भ्रमित करने वाली ताकतों का



भी मुकाबला करना है। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है। जनप्रतिनिधियों से अपने गांव और शहर के विकास की मांग रखना उनका अधिकार है। उप मुख्यमंत्री ने अगडाल में स्वर्गीय रामबिहारी मिश्र द्वारा समर्पण के साथ शुरू की गई हैण्डबाल प्रतियोगिता की परंपरा को आगे बढ़ाने और प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता जीतने पर खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही भोलगढ़ रोड का लोकार्पण किया जाएगा। स्वास्थ्य जागरूकता लाकर अगडाल यदि सुमन पंचायत बनती है जिसमें शिशु और मातृ मृत्यु दर शून्य होती है तो उसे सरकार की ओर से एक लाख रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा मैं ग्राम पंचायत को 10 लाख रुपए की राशि दूंगा। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि हर गर्भवती महिला के स्वास्थ्य की चिंता कर रही है। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन और



टीकाकरण कराएं। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को संभावित प्रसव की तिथि से 15 दिन पहले अस्पताल में भर्ती करा दें। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता को महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल में पूरा सहयोग करें। समारोह में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधाकर पाण्डेय तथा डीपीएम राघवेन्द्र मिश्रा ने उप स्वास्थ्य केन्द्र अगडाल में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। समाजसेवी श्री विनोद शुक्ला ने गांव के विकास से जुड़ी विभिन्न मांगे रखीं। समारोह में सरपंच श्री अरविंद सिंह दुबे, श्रीमती हेमलता सिंह, क्षेत्रीय संचालक डॉ. अर्चना पाण्डेय, श्री प्रदीप गौतम सुमन, श्री राजगोपाल मिश्रचारी, श्री रामलाल गौतम, स्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर मधुसूदन खरे तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने समाजसेवी स्वर्गीय शिवकुमार दुबे की प्रतिमा का किया अनावरण

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी, ज्ञान का अहंकार और अहंकार का ज्ञान दोनों में अंतर है : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज सीधी जिले के ग्राम बेलदह पहुंचकर समाजसेवी स्वर्गीय पंडित शिवकुमार दुबे की पुण्य स्मृति में स्थापित प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा एवं सीधी के पूर्व सांसद गोविंद मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्री बाला व्यंकटेश शास्त्री विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ संस्कार भी अत्यंत आवश्यक हैं। केवल ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान के साथ विनम्रता और अच्छे संस्कार होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्ञान का अहंकार होना और अहंकार का ज्ञान होना, इन दोनों में बहुत अंतर है। मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके ज्ञान के साथ-साथ उसके व्यवहार, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण से होती है। उन्होंने स्वर्गीय शिवकुमार दुबे के सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि समाज के लिए समर्पित व्यक्तित्व अपने अच्छे कार्यों और विचारों के



माध्यम से सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहते हैं। ऐसे व्यक्तित्वों की स्मृति में स्थापित प्रतिमाएं आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों और समाजसेवा की प्रेरणा देती रहेंगी। इस अवसर पर सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने स्वर्गीय शिवकुमार दुबे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन सामाजिक समरसता, सद्भाव और जनसेवा की भावना का प्रतीक रहा है। समाज के प्रति उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उनकी स्मृति में प्रतिमा की स्थापना नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से परिचित कराने का सराहनीय प्रयास है। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि किसी व्यक्ति का वास्तविक सम्मान उसके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों और लोगों के दिलों में बनाई गई जगह से होता है।

स्वर्गीय शिवकुमार दुबे ने अपने व्यक्तित्व और सामाजिक व्यवहार से क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी स्मृति में आयोजित यह कार्यक्रम उनके प्रति समाज की श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय शिवकुमार दुबे क्षेत्र में सेक्रेटरी साहब के नाम से लोकप्रिय थे। समाज में उनकी अच्छी प्रतिष्ठा थी तथा उन्होंने अपने व्यवहार और सामाजिक कार्यों से लोगों के बीच विशेष स्थान बनाया था। उनकी पुण्य स्मृति में उनके निज निवास ग्राम बेलदह में प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महेश प्रसाद दुबे एवं डॉ. डी.एन. दुबे सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं परिवारजन उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव बर्णवाल ने कर्मचारी कल्याण विषयों पर की गहन समीक्षा

अनुकंपा नियुक्ति, पदोन्नति, सीधी भर्ती, विभागीय जाँच और पेंशन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने सभी विभागाध्यक्षों से कहा है कि वे शासन की मंशानुरूप निर्धारित पदोन्नति समय-सीमा पूर्ण कर लें और कर्मचारी कल्याण के अन्य विषयों पर भी समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव बुधवार को मंत्रालय में कर्मचारी कल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अनुकंपा नियुक्ति, सीधी भर्ती, विभागीय जाँच और पेंशन प्रकरणों की स्थिति पर विमर्श किया गया। बैठक में विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव आदि उपस्थित थे। मुख्य सचिव बर्णवाल ने निर्देश दिए कि सभी विभागाध्यक्ष सभी संवर्गों यथा राज्य और जिला स्तरीय पदोन्नति समिति की अब तक हुई बैठक के बाद पदोन्नति तथा सेवानिवृत्ति से रिक्त पदों की सूक्ष्मता से समीक्षा कर लें और रिक्त पदों पर सेट अप अनुसार सीधी भर्ती और अनुकंपा नियुक्ति कर लें। उन्होंने सीधी भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल और मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग को समय-सीमा में प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। बैठक में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने सर्वाधिक 904 अनुकंपा नियुक्ति की हैं और विभिन्न विभागों में अब भी 2300 से अधिक प्रकरण लंबित है। उन्होंने प्रकरण लंबित होने के कारणों की समीक्षा की और विभागाध्यक्षों से कहा कि वे विशेष अभियान



चलाकर अनुकंपा नियुक्तिया करें। मुख्य सचिव बर्णवाल ने कहा कि गत वर्ष तक के रिक्त पदों पर पदोन्नतियां की गयी है और गृह तथ राजस्व विभाग ने बेहतर काम किया है। उन्होंने कहा कि निर्देश अनुसार इस साल होने वाली पदोन्नितयों को भी प्रारम्भ करें। उन्होंने पी.एस.सी द्वारा पिछली पदोन्नति समिति की बैठक में सभी विभागों को बेहतर समन्वय के लिए धन्यवाद दिया और आगामी पदोन्नति के लिए बैठक की तिथियां आदि निर्धारित करने में और भी समन्वय करने के लिए कहा है। बैठक में बताया गया कि अब तक 68437 शासकीय सेवकों को पदोन्नत किया जा चुका है एवं रिक्त पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया सतत् रूप से जारी है। मुख्य सचिव बर्णवाल ने पदोन्नति और सेवानिवृति से रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डेढ़ लाख पदों पर सीधी भर्ती की कार्यवाही मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल द्वारा की जाना है। निर्धारित मापदंड अनुसार सभी विभाग रोड मैप बनाकर भर्तीया समय-सीमा में सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि पी.एस.सी को 6588 पद पर और कर्मचारी चयन मंडल को 17299 पद पर सीधी भर्ती के प्रस्ताव भेजे गए है। मुख्य सचिव ने अनुशासनात्मक कार्यवाही अंतर्गत विभागीय जाँच की भी समीक्षा की और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि समय-सीमा में विभागीय जाँच पूर्ण की जाए। मुख्य सचिव ने पेंशन प्रकरणों के ऑनलाइन निराकरण की समीक्षा की और वित्त विभाग को निर्देश दिए कि ऑनलाइन प्रमाण पत्र आदि अपलोड करने में विभिन्न विभागों के अधीनस्थ अमले को आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए परिपत्र जारी करें। मुख्य सचिव बर्णवाल ने वर्ष 2027 में दो राज्य सेवा परीक्षा आयोजित किय जाने के संबंध में भी मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग और विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2027 में नियमित पीएससी के अलावा विशेष राज्य सेवा परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

संभागायुक्त ने की वीसी के माध्यम से राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा

भोपाल संभाग में सीमांकन के लिए चलाएं विशेष अभियान : संभागायुक्त शर्मा

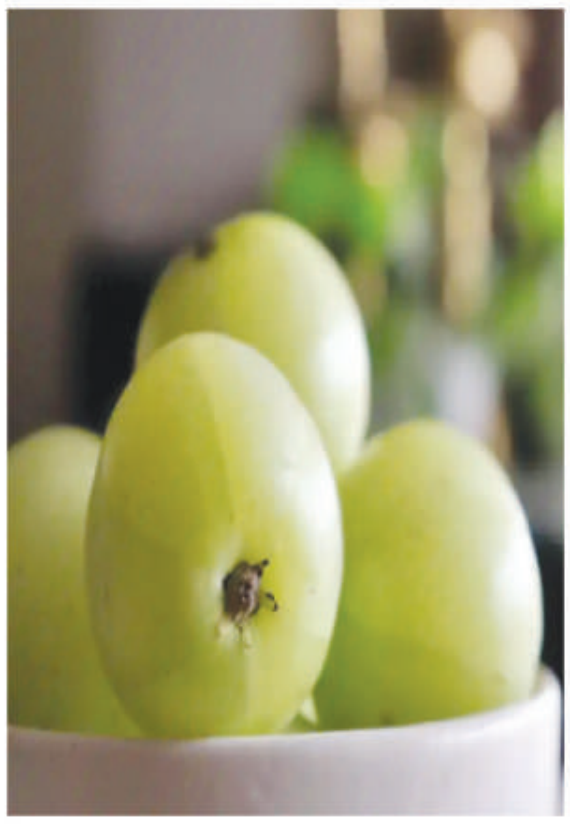
प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने संभाग के सभी जिलों में सीमांकन के लिए विशेष अभियान चलाकर 15 दिवस में शत - प्रतिशत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही नामांतरण, बंटवारा के 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करने एवं गंभीरता से कार्य नहीं करने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश दिए। भोपाल जिले में नामांतरण के लंबित 14 हजार 661 प्रकरणों पर सख्त आपत्ति व्यक्त करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संभाग के सभी के जिलों के राजस्व अधिकारियों को समय - सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों एवं लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने बुधवार को आयुक्त कार्यालय में वीसी के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के साथ राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास डॉ. विनोद यादव, उपायुक्त राजस्व श्रीमती भारती देवी मिश्रा उपस्थित थे। इसके साथ ही बैठक में सीहोर कलेक्टर श्री बालागुरू के, विदिशा कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा सहित सभी जिलों के संबंधित अधिकारी वी सी के माध्यम से उपस्थित रहे।



संभागायुक्त श्री शर्मा ने वीसी के माध्यम से राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जन अभियान के अंतर्गत सभी जिलों में सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा प्रबंधन में दर्ज प्रकरणों के समय - सीमा बाहर एवं 50 दिवस से अधिक की शिकायतों एवं शिविर वार दर्ज शिकायतों का निराकरण करें। साथ प्राप्त शिकायतों के प्रतिवेदन नियत समय में दर्ज करवाएं। इसके साथ ही आगामी एक महीने के चार शिविरों की तैयारी अभी से प्रारंभ कर उक्त ब्लॉक स्तर की सभी सीएम हेल्पलाइन एवं लोकसेवा गारंटी की सेवाएं शून्य करने के भी निर्देश दिए। भोपाल जिले में आरसीएमएस पोर्टल पर बुधवार की स्थिति में समय-सीमा बाहर न्यायालय अपर तहसीलदार वृत्त - 2 तहसील हुजूर में पेशी से उतरे 1958 प्रकरणों पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश संभागायुक्त द्वारा दिए गए। संभागायुक्त ने जिला भोपाल में न्यायालय वार लंबित प्रकरणों में समय - सीमा बाहर प्रकरणों के लिए संबंधित नोडल अधिकारी को तहसीलदार एवं नायाब तहसीलदार का लोक सेवा प्रबंधन गारंटी अधिनियम के नियमानुसार वेतन काटने के भी निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में सभी जिलों में प्रशासनिक कसावट, कार्यालयीन काम-काज में पारदर्शिता, समयबद्ध और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति विकसित करने एवं संभाग के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की नियमित समीक्षा के लिए ऑनलाइन सिस्टम का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिजल्ट ऑरिएंटेड कार्य प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण प्रशासन की जिम्मेदारी है।

आंवला कब खाना चाहिए? इसे खाने का सही तरीका और फायदे जानिए



आंवला पोषक तत्वों से भरपूर है, इसलिए इसे सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद माना जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं इसे खाने का सही समय और तरीका क्या है? जानें...

आंवला के औषधीय गुणों के बारे में तो कहने की जरूरत ही नहीं है. आयुर्वेद में इसे अमृत के समान सबसे लाभकारी औषधि माना जाता है. विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और कई पोषक तत्वों से भरपूर आंवला का नियमित सेवन शरीर को मजबूत बनाता है. आंवला में सबसे ज्यादा विटामिन सी होता है इसलिए ये एक तरह का सुपरफूड है.लोग रोजाना आंवला खाते हैं लेकिन कई के मन में एक आम सवाल होता है. वो ये कि आंवला खाने का सही समय क्या है? क्या इसे खाली पेट खाया जा सकता है या नहीं? इस सुपरफूड को खाने का सही तरीका और टाइमिंग क्या होनी चाहिए, चलिए आपको बताते हैंज

सुबह खाली पेट खाने के फायदे

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह खाली पेट ताजा आंवला या उसका रस पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है. आंवले में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने और शरीर को पूरी तरह से डिटॉक्सिफाई करने में मदद करते हैं. यह पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है. मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है.

इससे हमारी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है और हम मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी-खांसी से बच पाते हैं. आंवला का नियमित सेवन त्वचा को अच्छा पोषण प्रदान करता है. बाल मजबूत होते हैं और घने बढ़ते हैं.

क्या इसे खाली पेट खाना सही है?

हालांकि, खाली पेट आंवला खाना सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है. जिन लोगों को एसिडिटी, गैस, सीने में जलन या संवेदनशील पाचन तंत्र की समस्या है, उन्हें सुबह खाली पेट आंवला खाने से बचना चाहिए. इससे उनकी पेट की परेशानी और बढ़ सकती है. ऐसे लोगों के लिए नाश्ते या दोपहर के भोजन के बाद आंवला खाना सुरक्षित है.

आंवला को खाने के बेस्ट तरीके

ताजा आंवला कच्चा या जूस के रूप में खाने से बहुत फायदेमंद होता है. इसे जैम, पाउडर या कैंडी के रूप में भी आहार में शामिल किया जा सकता है. सीमित मात्रा में इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होता है.

वोट चोरी' के खिलाफ विपक्ष की रैली से बदलाव की उम्मीद

सरकार के लिए आसान रास्ता यह था कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त से कुछ दूरी बनाए रखती या कम से कम दूरी बनाए रखने का दिखावा ही कर लेती। खासकर जब मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यकाल में %विशेष गहन पुनरीक्षण% (एसआईआर) के तहत बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिसका बचाव करना लगभग असंभव है। मतदाता सूची से जुड़ी ये समस्याएं ज्ञानेश कुमार के आने से पहले ही शुरू हो गई थीं-वोटर गाइड देखें

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के आंदोलन के सिलसिले में 1 नवंबर को हुई विपक्ष की संयुक्त रैली अहम मोड़ है जो उन्हें बचाने और बढ़ावा देने वाले % राजनीतिक आका% के खिलाफ भी है। इस स्थिति में, विपक्ष अब मौजूदा चुनाव आयोग के ढांचे के भीतर रहकर काम नहीं कर सकता क्योंकि ऐसा करने पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ उनके आंदोलन की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। 2027 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश और चार अन्य राज्यों में चुनाव होने हैं तो ऐसे में स्थिति बिल्कुल साफ है- या तो सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को बदलने का कोई रास्ता निकाले (हालांकि ऐसा करने पर उसे भारी शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी क्योंकि सरकार ने खुद ज्ञानेश कुमार का बचाव उनसे कहीं ज्यादा किया है) या फिर विपक्ष उनके नेतृत्व में होने वाले चुनावों से दूर रहे। कई लोगों ने पहले ही मांग की है कि अगर ज्ञानेश कुमार अपने पद पर बने रहते हैं तो चुनावों का बहिष्कार किया जाए।

अगर विपक्ष चुनावों का बहिष्कार करता है तो चुनाव एक तमाशा बनकर रह जाएंगे जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। यहां ऐसा कोई भी बीच का रास्ता नहीं है जिससे सरकार अपनी साख बचा सके और काम-काज पहले की तरह चलता रहे। राजनीतिक टकराव के लिहाज से यह एक खतरनाक मोड़ है, और राष्ट्रीय राजनीति में यह एक तरह से करो या मरो' की स्थिति है। वोटर गाइड देखें

दोनों ही स्थितियों में सरकार अपने ही बुने जाल में फंस गई है जबकि विपक्ष एक ऐसी लड़ाई में उलझ गया है जिससे पीछे हटना उसके लिए मुमकिन नहीं है। सरकार के लिए आसान रास्ता यह था कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त से कुछ दूरी बनाए रखती या कम से कम दूरी बनाए रखने का दिखावा ही कर लेती। खासकर जब मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यकाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिसका बचाव करना लगभग असंभव है। मतदाता सूची से जुड़ी ये समस्याएं ज्ञानेश कुमार के आने से पहले ही शुरू हो गई थीं- विपक्ष के आरोप 2024 के लोकसभा और महाराष्ट्र चुनावों के समय से ही चले आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर किए बदलावों ने सबूत पीछे छोड़ दिए हैं जिससे यह चोरी साफ तौर पर नजर आ रही है।



जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन तेज हो रहे हैं, भाजपा की प्रतिक्रिया खुद को सही साबित करने की कोशिश और विपक्ष की आवाज़ को दबाने वाली रही है। जैसे-जैसे यह धारणा मज़बूत होती है कि भाजपा और चुनाव आयोग एक साथ हैं, राज्यों में उसकी चुनावी जीत और 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर भी सवाल उठने लगते हैं। इसी वजह से विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक रैली में पिछले चुनावों को अवैध करार देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त पर देशद्रोह का आरोप लगाया।मुख्य सवालों पर कहने के लिए कुछ खास न होने के कारण भाजपा नेताओं ने रैली में जुटी भीड़ पर सवाल उठाए और शिकायत की कि इसके कारण लोगों की दिवाली की खरीदारी में खलल पड़ा। यह एक बेकार बचाव था जिसका उद्देश्य लोगों का ध्यान मुख्य चुनाव आयुक्त के मुद्दे से हटाना था। हकीकत यह है कि 1 नवंबर की वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे वाली रैली ने लोगों में एक नई ऊर्जा भर दी है। ज़्यादातर लोगों के अनुसार हाल के वर्षों में राजधानी में हुई सबसे बड़ी रैलियों में से यह एक थी। इसमें देश भर से लोग शामिल हुए। यहां तक कि साधुओं का एक समूह भी इसमें मार्च करता दिखा। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़े पैमाने पर अलग-अलग तरीकों से मज़ाक उड़ाया जा रहा है। बहुत ही सोच-समझकर और बेहिसाब संसाधन खर्च कर दस साल में बनायी गयी छवि अब वोट चोरी के मुद्दे पर बहुत तेज़ी से ढह रही है।मोदी और उनकी पीआर टीम जरूर सोच रही होगी कि ऐसा कैसे हो गया। इसका एक जवाब उनके अपने काम करने के तरीके में छिपा है। बिना सोचे-समझे चीजों को और अपना फायदा देखने वाले कुछ लोगों ने जोर-शोर से प्रचार करने वाले संचार मॉडल को हर स्थिति के लिए एक बेहतरीन तरीका मान लिया था। तब भी यह साफ था; और अब तो यह बहुत अच्छी तरह से स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जबरदस्ती थोपी गई बातें कभी अच्छा संचार नहीं बन सकतीं। हर जगह छा जाना, बातचीत पर अपना एकाधिकार जमा लेना और बहुत ज्यादा बयानबाजी करना- ये सब कुछ समय के लिए तो शायद सुर्खियां दिला सकते हैं लेकिन इनसे कोई ऐसी चीज नहीं बनती जो लंबे समय तक टिक सके।वैसे इससे मिलने वाला बड़ा सबक खुद भारत के बारे में है और यह वह नहीं है जिसकी लोगों को उम्मीद थी। 2024 की शुरुआत में %प्यू रिसर्च सेंटर% के एक सर्वे में पाया गया कि सर्वे में शामिल 85 प्रतिशत भारतीय एक मजबूत नेता या सेना के शासन को पसंद करते हैं। अध्ययन किए गए 24 देशों में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा था। हर तीन में से दो लोग एक ऐसे मजबूत नेता का समर्थन करते हैं जो संसद या अदालतों के दखल के बिना फैसले ले सके। इस हिसाब से देखा जाए तो एक %मजबूत नेता% की छवि को कोई चुनौती नहीं दी जा सकनी चाहिए थी। मोदी को तो इस समय सबसे ऊंचे मुकाम पर होना चाहिए था लेकिन इसके बजाय उनकी स्थिति कमजोर हो रही है। आखिर ऐसा क्यों हुआ?

कुछ लोगों का तर्क है कि इमरजेंसी के बाद कांग्रेस इसलिए नहीं हारी थी कि अभिव्यक्ति की आजादी और संवैधानिक गारंटी छीन ली गई थी बल्कि इसलिए हारी क्योंकि उस समय जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर जबर्दस्ती नसबंदी जैसे कठोर कदम उठाए गए थे। इस नजरिए से देखें तो भारतीयों के लिए लोकतंत्र का महत्व उतना नहीं है जितना आम तौर पर माना जाता है। फिर भी, वोट चोरी के खिलाफ हुआ आंदोलन एक अलग ही तरह के भारत की कहानी बताता है।अगर प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़ों पर यकीन करें तो हो सकता है कि भारतीय सैद्धांतिक रूप से सख्त शासन को पसंद करते हों लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में मिलने वाले अधिकार बहुत मायने रखते हैं। वोट देने को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने के एक निमंत्रण के रूप में देखा जाता है। पिछले कई दशकों से चुनाव अधिकारी लोगों के दरवाजे तक जाकर नए मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ते रहे हैं। इसके विपरित %एसआईआर% के तहत जितनी आसानी से लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए वैसा पहले कभी नहीं हुआ था। असल में, %एसआईआर% ने लोगों के मन में डर पैदा कर दिया। निष्पक्ष चुनाव बहुत मायने रखते हैं। भले ही लोगों को चुनावी प्रक्रिया या चुनाव लड़ने और जीतने वाले नेताओं की गुणवत्ता के बारे में शिकायतें हों, परन्तु जब सत्ता हथियाने और उसे बनाए रखने के लिए खुद सिस्टम के साथ ही छेड़-छाड़ की जाती है तो वे विरोध करने के लिए जरूर खड़े हो जाते हैं।फिर भी देश को कठिन समय के लिए तैयार रहना चाहिए। सोशल मीडिया की पोस्ट हटाने, लोगों को विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने से रोकने, भारी पुलिस बल तैनात करने और आंदोलन के बीच ही विरोध प्रदर्शन स्थल के रूप में जंतर-मंतर की मान्यता खत्म करने जैसे संकेत बता रहे हैं कि शिकंजा कसा जा रहा है। लेकिन इन विरोध प्रदर्शनों को इतनी आसानी से दबाया नहीं जा सकेगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि आगे किस तरह के नए तनाव पैदा होंगे और देश को इसकी क्या कीमत चुकानी पड़ेगी पर विपक्ष का एकजुट होना और नागरिकों का अपने वोट की रक्षा करने का संकल्प इस घोर निराशा के बीच उम्मीद की एक किरण है।

संपादकीय

संस्कृति रोकेगी प्रदूषण

दिवाली से पहले ही दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंचना गंभीर चिंता का विषय है। कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार-बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर-टू-बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों- स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है।

दिल्ली में घातक प्रदूषण और दिवाली के मद्देनजर स्वत-संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाली बैंच ने जहां गहरे तंज किए हैं, वहीं मार्गदर्शक सलाह भी दी है। बाकायदा सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी.मोहना की पीठ ने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली-एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर इतना गंभीर है कि हमारी आवाज बैठ रही है। अदालत ने बल दिया कि दिवाली मनाने के साथ-साथ प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है।

कोर्ट ने स्वीकारा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़ सकते हैं। दिल्ली के लोग बहुत टेलेंटेड हैं, वे नये रास्ते निकाल लेते हैं। सीजेआई ने कहा कि हमें त्योहार की पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों पर फिर से गौर करने की जरूरत है। त्योहार मनाते समय हमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी होना चाहिए। वहीं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा त्योहारों के व्यवसायीकरण से भी जुड़ा है। दिवाली के संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश ने एक संवेदनशील टिप्पणी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लेकर भी है। उन्होंने चेताया कि इस वर्ग को प्रदूषण फैलाने के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह वर्ग प्रदूषण का सबसे ज्यादा शिकार होता है। इनके लिये दिवाली का त्योहार जीविका की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है। खासकर उन लोगों के लिये जिनकी आजीविका इस मौसमी काम व त्योहार पर निर्भर है। बल्कि सड़कों पर बढ़ती वाहनों की आवाजाही से इनका काम-धंधा बुरी तरह प्रभावित होता है। सही मायने में प्रदूषण वे लोग फैलाते हैं, जो इसके घातक प्रभाव के असर का खर्च उठा सकते हैं।

भाजपा के आक्रामक जवाब से विपक्ष की एकता को लेकर उसकी चिंता सामने आई



इस समय पर ध्यान देना जरूरी है। गठबंधन बनाना लंबे समय से भाजपा की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन विपक्षी ताकतों को अपनी ओर खींचने पर दिया जा रहा नया जोर यह दिखाता है कि पार्टी को एहसास है कि सिर्फ विचारधारा के आधार पर लोगों को एकजुट करके लंबे समय तक चुनावी दबदबा बनाए नहीं रखा जा सकता।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का बढ़ता आक्रामक जवाब बताता है कि सत्ताधारी पार्टी को अपनी राजनीतिक अजेयता पर उतना भरोसा नहीं है जितना उसके सार्वजनिक बयानों से लगता है। विपक्ष की लामबंदी को खारिज करने में खर्च की गई बहुत ज़्यादा ऊर्जा, साथ ही राजनीतिक गठबंधनों को फिर से बनाने की नई कोशिशें, राष्ट्रीय राजनीतिक बहस की बदलती दिशा को लेकर अंदरूनी चिंता की ओर इशारा करती हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह कहना कि कांग्रेस 2029 के संसदीय चुनाव नहीं जीत सकती, खास तौर पर चौंकाने वाला है। मौजूदा विवाद चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, वोटर लिस्ट की ईमानदारी और वोटरों को वोट देने से वंचित करने के आरोपों से जुड़ा है। फिर भी भाजपा का जवाब बार-बार सरकार बदलने की उम्मीदों, नरेंद्र मोदी के चुनावी भविष्य और सरकार को हटाने में विपक्ष की कथित नाकामी की तरफ मुड़ गया है। नीतियां देखेंयह एक बड़ा राजनीतिक बदलाव है। एक सरकार जो अपनी स्थिति से पूरी तरह खुश है, वह शायद चुनावी प्रक्रिया का बचाव करने और प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाए गए खास सवालों के जवाब देने पर ध्यान देगी। इसके बजाय, सत्ताधारी पार्टी ने संस्थागत जिम्मेदारी पर विवाद को अपने चुनावी दबदबे पर एक और जनादेश में बदलने की कोशिश की है। ऐसा जवाब निश्चित रूप से भाजपा नेतृत्व द्वारा दिखाए गए भरोसे पर सवाल उठाने का आधार देता है।जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में किया गया आंदोलन शुरू में ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ था। इसका महत्व चुनावी प्रशासन पर एक तकनीकी विवाद को लोकतांत्रिक संस्थान की निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाले एक बड़े जन आंदोलन में बदलने की संभावना में था।

भाजपा इस आंदोलन को सीमित राजनीतिक नतीजों के साथ एक अलग विरोध के रूप में देख सकती थी। हालांकि, अभियान का राजनीतिक रूप से सामना करने के उसके फैसले ने विवाद को चुनाव आयोग से आगे बढ़ाने में मदद की है। इसलिए सरकार की आलोचना करने वालों को चुनावी शिकायतों को संवैधानिक संस्थाओं और सत्ता की शक्ति के बीच संबंधों के बारे में बड़े सवालों से जोड़ने का मौका मिल गया है। समाचार पढ़ेंदिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर की रैली ने इस टकराव को और ज़्यादा सामने ला दिया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और दूसरे विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने दिखाया कि इस विवाद ने उन पार्टियों को एक साथ लाने के लिए काफी राजनीतिक तूल पकड़ लिया था जिनके क्षेत्रीय हितों ने अक्सर मिलकर काम करने में रुकावट डाली है।भाजपा की प्रतिक्रिया, भीड़ के अपने अंदाज़े से बिल्कुल अलग था। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने रैली को विफल बताया और कहा कि लगभग 40 प्रतिशत मैदान खाली रहा। दूसरे भाजपा नेताओं ने विपक्ष के भीड़ के अंदाज़े पर सवाल उठाए और ऑर्गनाइज़र पर गुमराह करने वाली इमेज के ज़रिए उपस्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर बताने का आरोप लगाया।असल में भीड़ कितनी थी, इस पर अभी भी बहस चल रही है, और इस बहस को पक्के तौर पर साबित करने के लिए कोई अलग से तय आंकड़ा नहीं है। फिर भी, रैली को बदनाम करने का भाजपा का पक्का इरादा एक साफ़ राजनीतिक सवाल खड़ा करता है। अगर यह जमावड़ा सच में कोई खास नहीं था, तो इसकी कोई अहमियत न दिखाने पर इतना ध्यान क्यों दिया गया? समाचार पढ़ें

इसका जवाब शायद तुरंत भीड़ की ताकत और लंबे समय के राजनीतिक जोश के बीच के फर्क में छिपा हो। एक रैली से चुनाव के नतीजे तय नहीं होते, लेकिन वोटरों से जुड़ी किसी शिकायत के इर्द-गिर्द लगातार अभियान चलाने से एक ऐसा सांगठनिक मंच बन सकता है जो असली झगड़े से कहीं आगे तक जाता है।भाजपा इस फर्क को ज़्यादातर राजनीतिक संगठनों से बेहतर समझती है। इसकी अपनी बढ़त में ऐसे आंदोलनों ने मदद की जिन्होंने लोगों की नाराज़गी को लगातार राजनीतिक लामबंदी में बदल दिया। इसलिए यह मानना गलत होगा कि इसका नेतृत्व कई बड़ी विपक्षी पार्टियों के प्रदर्शनों को बिना चुनावी असर के सिर्फ तमाशा मानती है।रामलीला मैदान में लामबंदी के मायने रखने का एक और कारण है। ऐतिहासिक रूप से विपक्षी एकता तब सबसे असरदार रही है जब पार्टियों को कोई ऐसा साझा मुद्दा मिल जाता है जो उनके मतभेदों को दूर कर सके। चुनावी ईमानदारी ठीक ऐसा ही मंच देती है क्योंकि हर विपक्षी पार्टी की दिलचस्पी यह पक्का करने में होती है कि मतदाता का नाम दर्ज होना, चुनावी प्रशासन और मतदान गिनती की प्रक्रिया पर जनता का भरोसा बना रहे।महाराष्ट्र के घटनाक्रम भाजपा के रणनीतिगत गणना का ज़्यादा ठोस इशारा देते हैं। विपक्ष की रैली के ठीक एक दिन बाद, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट के वरीय नेताओं ने अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान विरोधी एनसीपी गुटों को एक साथ एनडीए में लाने की संभावना पर चर्चा हुई।इस पहल का राजनीतिक महत्व स्पष्ट है। विपक्ष को एकजुट करने के प्रयासों में शरद पवार की भागीदारी ने %इंडिया% गठबंधन की विश्वसनीयता बढ़ाई है। अगर एनडीए के दायरे में एनसीपी फिर से एक हो जाती है, तो इससे विपक्षी गठबंधन कमजोर होगा, जबकि महाराष्ट्र में सत्ताधारी गठबंधन की स्थिति मजबूत हो जाएगी।

हालांकि, इस प्रस्तावित व्यवस्था के सामने कई बड़ी रुकावटें हैं। अजित पवार गुट के भीतर, खासकर सुनेत्र पवार और पार्थ पवार की भूमिकाओं को लेकर मतभेद हैं, जिससे बातचीत जटिल हो गई है। एनसीपी नेताओं ने भी उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा जा रहा था कि पार्टी का फिर से एक होना तय है। इसलिए, भाजपा की ओर से गुटों को एक साथ लाने की कोशिश अभी भी एक लक्ष्य ही है, न कि कोई पूरी हो चुकी राजनीतिक पुनर्व्यवस्था।फिर भी, इस समय पर ध्यान देना जरूरी है। गठबंधन बनाना लंबे समय से भाजपा की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन विपक्षी ताकतों को अपनी ओर खींचने पर दिया जा रहा नया जोर यह दिखाता है कि पार्टी को एहसास है कि सिर्फ विचारधारा के आधार पर लोगों को एकजुट करके लंबे समय तक चुनावी दबदबा बनाए नहीं रखा जा सकता।तमिलनाडु के मामले में यह समीकरण एक अलग ही पहलू दिखाता है। कांग्रेस से अलग होने के बाद, भाजपा और डीएमके के बीच किसी मुद्दे पर सहयोग की खबरें बताती हैं कि राजनीतिक सीमाएं अब पहले से कहीं ज्यादा लचीली हो गई हैं। इस तरह के सहयोग को पूरी तरह से गठबंधन तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन संसद के स्तर पर सीमित तालमेल भी विपक्ष की सामूहिक मोलभाव करने की ताकत को कमजोर कर सकता है।अब भाजपा के पास लोकसभा में अपने दम पर बहुमत नहीं है और अपनी सरकार चलाने के लिए उसे गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ता है।



रोमांच से भरपूर करियर

एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति लोगों में बढ़ते क्रेज की वजह से एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर इन दिनों डिमांड में हैं। अगर आप भी मौज-मस्ती भरे इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो जानिए कैसे मिल सकती है एंट्री...

सौरभ का सपना पेंटर बनने का था, जबकि पेरेंट्स चाहते थे कि वह इंजीनियर बने, इसलिए उन्होंने बीटेक किया। लेकिन आज के दौर में सिर्फ डिग्री हासिल कर लेना ही काफी नहीं है। नौकरी तभी मिलेगी, जब आप इंडस्ट्री के पैमाने पर खरा उतरेंगे। कई जगह इंटरव्यू देने के बावजूद सौरभ को जॉब नहीं मिल सकी है। दूसरी ओर उनके दोस्त सुमित ने फोटोग्राफी के अपने पैशन को फॉलो किया और आज उसमें काफी अच्छा कर रहे हैं। अब अगर आप भी ट्रेडिशनल फील्ड्स की जगह, अपने च्वाइस के हिसाब से करियर बनाना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें। आज उन युवाओं की संख्या बढ़ रही है, जो रिस्क लेकर चैलेंजिंग और लीक से हटकर करियर विकल्प चुन रहे हैं। मसलन, एडवेंचर स्पोर्ट्स। यहां मौज-मस्ती के साथ भरपूर चैलेंज भी है। एडवेंचर टूरिज्म में बूम आने से एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड बढ़ गई है। नेशनल ज्योग्राफी, डिस्कवरी, एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल्स के अलावा, ट्रैवल पोर्टल्स लोगों को एडवेंचर्स हॉलीडे प्लान करने का मौका दे रहे हैं। इस तरह टूरिस्ट्स बढ़ने का मतलब है, जॉब की संख्या बढ़ना। अगर आपको नेचर को एक्सप्लोर करना पसंद है, तो अपनी हॉबी को एक एक्साइटिंग करियर अपॉर्च्युनिटी में तब्दील कर सकते हैं।

स्पेशलाइज्ड फील्ड

अगर आप एडवेंचर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रखते हैं, तो बतौर इंस्ट्रक्टर करियर का आगाज कर सकते हैं। इसमें तीन कैटेगरीज हैं। किसी में भी स्पेशलाइजेशन करना फायदेमंद हो सकता है –

एयर स्पोर्ट्स – आप बंजी जंपिंग, बेस जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, आउटडोर क्लाइंबिंग, स्की जंपिंग, स्काई डाइविंग, सर्फिंग आदि में करियर बना सकते हैं।

लैंड स्पोर्ट्स – आप माउंटेन बाइकिंग, स्पीड बाइकिंग, ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, स्केट बोर्डिंग, फीस्टाइल स्कीइंग, एडवेंचर रेसिंग में आगे बढ़ सकते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स – इसके तहत आप जेट स्कीइंग, क्लिफ डाइविंग, स्कूबा डाइविंग, पॉवरबोटिंग, कायाकिंग, स्पीड सेलिंग, विंड सर्फिंग, वॉटर रॉफ्टिंग आदि कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के पास ज्योग्राफिकल एरिया और वहां होने वाली एक्टिविटीज की जानकारी होनी चाहिए। इन्हें गोल्स बनाने से लेकर स्पोर्टिंग एक्टिविटीज के लिए प्लान करना या डिजास्टर मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भी निभानी होती है। स्पोर्टिंग एक्टिविटी की रूट प्लानिंग, नैविगेशन और डिटेल्स तैयार करना भी इनका ही काम होता है। इसके लिए कैंपिंग साइट्स और ट्रेनिंग सेंटर्स का एडमिनिस्ट्रेशन इन्हें देखना होता है।

एलिजिबिलिटी

इस फील्ड के लिए किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं है। आपको सिर्फ हायर सेकंडरी पास करना होगा। लेकिन ग्रेजुएशन करने वालों को प्रिफरेंस मिलती है। इसके अलावा, इंग्लिश या किसी एक फॉरेन लैंग्वेज को जानना आपके लिए जरूरी होगा। जो लोग वॉटर बेस्ड स्पोर्ट्स में जाना चाहते हैं, उनके लिए स्वीमिंग सीखना जरूरी है। इंडिया में कई इंस्टीट्यूट्स एडवेंचर स्पोर्ट्स में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं।

करियर ऑप्शंस

एडवेंचर स्पोर्ट्स में आप कई तरह के प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। आप एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के अलावा वाइल्ड लाइफ ऐंड ट्रैवल फोटोग्राफर, एडवेंचर स्पोर्ट्स एथलीट, एडवेंचर स्पोर्ट्स फोटोग्राफर, एडवेंचर टूरिज्म फैसिलिटेटर, वाइल्ड लाइफ ऐंड फॉरेस्ट टूरिज्म, नेचुरलिस्ट, कंजर्वेशनलिस्ट, एडवेंचर कैंप कंट्रोलर, एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स एथलीट, वॉटर ऐंड एरो स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट, एडवेंचर टूर गाइड, ट्रेकिंग ऐंड माउंटेन गाइड आदि के तौर पर करियर बना सकते हैं। कई ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज में लायजन ऑफिसर्स की भी बहुत मांग होती है।

कहां है स्कोप

टूरिज्म सेक्टर में यंग टेक्निकल प्रोफेशनल्स के आने से कई तरह के बदलाव आए हैं। लोगों में छुट्टियों को एक नए रोमांचक अंदाज में बिताने का ट्रेंड बढ़ा है। जाहिर है, एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड भी बढ़ी है। आप स्पोर्ट्स सेंटर्स, एथलेटिक क्लब्स, ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज, कॉमर्शियल री-क्रिएशन सेंटर, हॉलीडे रिजॉर्ट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के अलावा खुद का एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर खोल सकते हैं या फीलांसर के तौर पर भी करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

सैलरी पैकेज

वैसे तो एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रोफेशनल्स को उनकी स्पेशलाइजेशन के आधार पर सैलरी मिलती है, लेकिन एक कोच या इंस्ट्रक्टर को शुरुआत में करीब 20 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जबकि एक्सपीरियंस के साथ इनकी सैलरी 40 हजार के आसपास हो जाती है।





ऑफिस में पहनें सोबर परिधान

आज के युग में घर पर रहने वाली नारी भी सजग है कि उसे ढंग से तैयार रहना है और बाहर जाते समय वह विशेष तौर पर सचेत रहती है। ऑफिस जाने वाली महिलाओं को तो कुछ विशेष ही सोचना पड़ता है कि वे क्या पहनें जिससे उनकी लुक सोबर दिखाई दे क्योंकि उसे तो प्रतिदिन उन्हीं लोगों के साथ उठना-बैठना है। वे नहीं चाहतीं कि वे हंसी का पात्र बनें। प्रतिदिन की इस दुविधा कि कल क्या पहनूं से बचने के लिए रात्रि में सोने से पहले ही सोच लें तो कम परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

1 दफ्तर के वातावरण को नजर में रखते हुए अपने कपड़ों का चयन करें जिससे आपके पद की गरिमा भी बनी रह सके।
2 कामकाजी महिलाओं के लिए उचित परिधान साड़ी और सलवार- कमीज ही हैं। अविवाहित लड़कियां जींस, पैंट और टॉप भी पहन सकती हैं, वातावरण के अनुसार।
3 परिधान वही पहनें जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आए, केवल फैशन के लिए परिधान का चयन न करें।
4 कपड़े आकर्षक पहनें। इसका अर्थ यह नहीं कि अधिक महंगे कपड़े ही आकर्षक होते हैं। रंगों और फिटिंग पर पूरा ध्यान दें। अच्छी फिटिंग का कपड़ा आपके व्यक्तित्व को और निखारता है चाहे वह अधिक महंगा न हो।
5 ड्राइक्लीनिंग वाले परिधानों को रोजमर्रा में कम से कम पहनें क्योंकि ऐसे कपड़े बहुत महंगे पड़ते हैं और जरा-सा दाग लगने पर ड्राइक्लीनर के पास भेजने पड़ते हैं।
6 कामकाजी महिलाओं को घर पर आराम से धुलने वाले वस्त्रों को ही पहनना चाहिए।
7 जो भी परिधान पहनें आरामदायक होना चाहिए। उसे पहन कर असुविधा नहीं होनी चाहिए।
8 मौसम के अनुसार ही कपड़ों, गहनों और सौंदर्य प्रसाधन सामग्री का चयन करें। ग्रीष्म ऋतु में सूती और हल्के रंगों के वस्त्र अच्छे लगते हैं। शीत ऋतु में सिल्क, स्पन और गाढ़े रंगों के वस्त्र शोभा देते हैं। वर्षा ऋतु में अधिक पतले और चिपकने वाले वस्त्र न पहनें।
9 कामकाजी महिलाओं के वस्त्र अधिक खुले और अधिक तंग अच्छे नहीं लगते। कपड़ों की सिलाई ऐसी हो कि आप अपने शरीर को सुविधानुसार आसानी से मोड़ सकें। अधिक तंग वस्त्र रक्त संचालन में भी बाधा उत्पन्न करते हैं।
10 छुट्टी वाले दिन अपने कपड़ों को जांच-परख कर प्रैस करवा कर अलमारी में लगाएं ताकि काम पर जाते समय परेशानी न उठानी पड़ जाए।
11 साड़ी पहनने पर पल्लू को अच्छी तरह से पिन अप कर लें ताकि आने-जाने और काम के समय पल्लू बार-बार संभालना न पड़े।
12 कमीज और ब्लाऊज के गले अधिक नीचे तक न पहनें। सलवार-कमीज पहनते समय चुन्नी सही ढंग से बांध लें।

एजुकेशन लोन सपने करें साकार

हायर स्टडी लगातार महंगी होती जा रही है। हर स्टूडेंट का यह सपना होता है किसी अच्छे कॉलेज में पढ़ें या अब्रॉड जाकर स्टडी करे, लेकिन जब इस तरह की स्टडी के खर्चों पर नजर जाती है तो यह हिम्मत जवाब देने लगती है। ऐसे में एजुकेशन लोन बड़ा सहारा बन कर आता है। हालांकि यह आसानी से नहीं मिलता और सही एमाउंट का लोन मिल जाए, इसके लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।



लोन की शर्तें

एजुकेशन लोन किसी ऐसे किसी भी स्टूडेंट को मिल सकता है जो 16 से 35 वर्ष का हो, भारतीय नागरिक हो और किसी इंस्टीट्यूट में उसका एडमिशन कन्फर्म हो चुका हो। इसके अलावा, बैंक कुछ और शर्तें भी लगा सकते हैं, जैसे-इंस्टीट्यूट बैंक की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में हो, स्टूडेंट का एकेडमिक रिकॉर्ड अच्छा हो, उसके एजुकेशन के दौरान कोई गैप न हो और उसके पैरेंट्स या गार्जियन की इनकम का एक नियमित स्रोत हो। बैंकों की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में वे इंस्टीट्यूट ही होते हैं जो यूजीसी या एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त होते हैं।



कवर होने वाले खर्च

एजुकेशन लोन आमतौर पर ट्यूशन फीस, एक्जामिनेशन फीस, हॉस्टल और कैंटीन फीस के लिए मिलता है। कुछ बैंक टेक्स्ट बुक इंस्ट्रूमेंट और इक्विपमेंट के खर्चों को भी लोन में शामिल कर लेते हैं और अब्रॉड स्टडी के मामले में कुछ बैंक एक तरफ के हवाई टिकट खर्च को भी इसमें शामिल करते हैं। एजुकेशन लोन उन कोर्सेज के लिए दिया जाता है जो 12 महीने से ज्यादा के होते हैं। आमतौर पर बैंक पार्ट-टाइम, कॉरेस्पॉन्डेंस या ऑनलाइन प्रोग्राम के लिए लोन नहीं देते। अगर किसी का बैंक से अच्छा रिलेशन है तो वह इसे हासिल कर सकता है। कुछ?बैंक कई पार्ट-टाइम कोर्स के लिए भी लोन देते हैं।

लोन की वापसी

यह हर बैंक के अपने नियम-कायदे पर निर्भर करता है। कुछ बैंक स्टडी पूरी होते ही तत्काल लोन चुकाने की शर्त रखते हैं यानी इसके बाद आपकी ईएमआई तुरंत शुरू हो जाती है। इसी तरह, कुछ बैंक पढ़ाई के बाद कुछ साल का गैप देते हैं ताकि इस दौरान आपको नौकरी मिल जाए और आप आसानी से ईएमआई दे सकें।

जरूरी दस्तावेज

एजुकेशन लोन लेने के लिए स्टूडेंट की आइडेंडिटी, एज, एकेडमिक रिकॉर्ड और एड्रेस प्रूफ लिया जाता है। उसके गार्जियन या पैरेंट्स (जो को-एप्लीकेंट्स होते हैं) के साथ उसके रिलेशन, उनके इनकम और एड्रेस का प्रूफ लिया जाता है। इसके अलावा, इंस्टीट्यूट्स के एडमिशन लेटर की कॉपी भी ली जाती है। अब्रॉड स्टडी के लिए जाने वाले स्टूडेंट को वीजा अप्रूवल, जीआरई, जीमैट आदि के टेस्ट स्कोर और यात्रा संबंधी दस्तावेज की कॉपी जमा करनी पड़ती है। किसी बैंक से एजुकेशन लोन लेने के लिए उसमें एकाउंट रखना जरूरी नहीं होता, लेकिन अगर आपका एकाउंट है तो लोन मिलने में आसानी हो सकती है।

गारंटर की जरूरत

आमतौर पर बैंक भारत में स्टडी करने पर 5 से 15 लाख रुपये और अब्रॉड स्टडी करने पर 20 से 25 लाख रुपये तक का लोन देते हैं। चार लाख रुपये से कम लोन पर गारंटर की जरूरत नहीं होती। इसी तरह, 4 से 7.5 लाख रुपये तक के लोन गारंटर की मदद से ही मिल जाते हैं, लेकिन इससे ज्यादा की राशि के लोन लेने पर बैंक प्रॉपर्टी के कागजात आदि जमानत के रूप में मांगते हैं।

लोन पर ब्याज दर

एजुकेशन लोन पर ब्याज दर आमतौर पर 11 से 14 फीसदी के बीच होती है, लेकिन कुछ बैंक इससे ज्यादा भी ब्याज लेते हैं। कई बैंक गर्ल्स स्टूडेंट के लिए रियायती ब्याज दर रखते हैं। भारतीय स्टेट बैंक एजुकेशन लोन पर सालाना 11.75 से 13.75 परसेंट ब्याज लेता है। इसके अलावा, एसबीआई ने गर्ल्स के लिए स्पेशल एजुकेशन लोन दरें तय कर रखी हैं। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने तो एजुकेशन लोन केलिए क्रेडिला नाम की एक अलग सहायक कंपनी ही बना दी है। क्रेडिला एक लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक का एजुकेशन लोन देती है।

ध्यान रहे

- कई बैंक गर्ल्स को लोन कम ब्याज दर पर देते हैं। जैसे एसबीआई में गर्ल्स के लिए लोन पर आधा फीसदी कम ब्याजज लिया जाता है।
- फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर से एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
- कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं। - इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80-ई के तहत सभी तरह के स्टू डेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रीबेट मिलता है।
- बैंक से कोई बात न छुपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
- कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो] इसके लिए प्रभावी तरीका यह है कि एक चेकलिस्ट बना लें। - एजुकेशन लोन के लिए को-अप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को अप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नील, भाई-बहन हो सकते हैं।

लोन के लिए गोल्डेन टिप्स

-बैंक से कोई बात न छिपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है, तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
-एजुकेशन लोन के लिए को-एप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को-एप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नी, भाई-बहन हो सकते हैं।
-कई बैंक गर्ल्स को रियायती लोन देते हैं, जैसे-एसबीआई में दर आधा फीसदी कम है।?
-फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर पर एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
-कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं।
-सभी तरह के स्टूडेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रिबेट मिलता है।
-कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो, इसके लिए एक चेकलिस्ट बना लें।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



नियमों को हल्के में लेना पड़ा भारी! कप्तान

अरिश्फा खान

को छोड़ पूरा घर बेघर होने के लिए नॉमिनेट

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के लोकप्रिय टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 20' में इस हफ्ते का नॉमिनेशन राउंड दर्शकों के लिए बेहद चौंकाने वाला और रोमांचक साबित हुआ. एक तरफ जहां घर के अंदर रणनीति और वोटिंग का हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, तो वहीं दूसरी तरफ घरवालों की लापरवाही के चलते पूरा घर ही बेघर होने के कगार पर आकर खड़ा हो गया है. 'बिग बॉस' के इस सख्त फैसले के बाद सभी कंटेस्टेंट्स की सांसें अटकी हुई हैं, क्योंकि इस बार किसी एक-दो खिलाड़ियों पर नहीं, बल्कि लगभग सभी सदस्यों के सिर पर एलिमिनेशन की तलवार लटक रही है.इस हफ्ते घर की कप्तानी की कमान अरिश्फा खान के हाथों में थी. 'बिग बॉस' के नियमों के मुताबिक कप्तान होने के नाते अरिश्फा खुद नॉमिनेशन से पूरी तरह सुरक्षित थीं. इसके अलावा 'बिग बॉस' ने उन्हें एक विशेष अधिकार दिया, जिसके तहत वो किसी एक सदस्य को सीधे नॉमिनेट कर सकती थीं. अरिश्फा ने अपनी इस पावर का इस्तेमाल करते हुए बिना देर किए स्काउट ओपी को सीधे बेघर होने के लिए नॉमिनेट कर दिया. इसके बाद 'बिग बॉस' ने घरवालों को नॉमिनेशन का टास्क दिया. इस टास्क में कप्तान अरिश्फा और पहले से नॉमिनेटेड स्काउट ओपी को छोड़कर हर सदस्य को अधिकतम 8 खिलाड़ियों को वोट आउट करने की छूट दी गई थी.

आपाधापी में कैसे नॉमिनेट हुआ पूरा घर ?



टास्क शुरू होते ही घरवालों के बीच पुरानी खुन्नस और कूटनीति खुलकर सामने आने लगी. सभी ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली और वोटिंग के दौरान ऐसा समीकरण बैठा कि कप्तान अरिश्फा को छोड़कर घर का हर एक सदस्य नॉमिनेशन की चपेट में आ गया. हालांकि, बात सिर्फ आपसी नॉमिनेशन तक सीमित नहीं रही. 'बिग बॉस' ने घर के नियमों की लगातार अनदेखी करने के लिए स्काउट ओपी, लव गिल और कनिका पर कड़ा रुख अपनाया.

'बिग बॉस' ने साफ लहजे में फटकार लगाते हुए कहा कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद जानबूझकर नियमों की धज्जियां उड़ाना चिंताजनक है. नियमों को हल्के में लेने की इसी लापरवाही की सजा देते हुए 'बिग बॉस' ने तीनों खिलाड़ियों के साथ-साथ पूरे घर के सदस्यों को आखिरी चेतावनी जारी कर दी और सभी को नॉमिनेटेड घोषित कर दिया.

इस वीकेंड कौन बनेगा एविक्शन का शिकार ?

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इस हफ्ते 'वीकेंड का वार' में सलमान खान के हाथों किस खिलाड़ी का सफर खत्म होगा. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हर हफ्ते की तरह इस बार भी टॉप पसंदीदा खिलाड़ियों की लिस्ट सामने आई है. लेटेस्ट ट्रेंड्स के मुताबिक काजी तौकीर एक बार फिर दर्शकों के फेवरेट बनकर टॉप पर बने हुए हैं.स्काउट ओपी, लव गिल और यंग डीएसए को भी फैंस का मजबूत वोटिंग सपोर्ट मिल रहा है. ऐसे में सोशल मीडिया रिपोर्ट्स और बज के अनुसार, वोट्स की कमी के चलते मनीष गोयल या माही विज में से किसी एक खिलाड़ी के इस हफ्ते घर वापस लौटने की सबसे ज्यादा संभावना जताई जा रही है. हालांकि, बेघर होने वाले खिलाड़ी का असली नाम तो वीकेंड पर ही साफ होगा.

इंद्र के हाथी के सामने फिसड्डी टट्टू.... कौन है KBC होस्टिंग को लेकर माधुरी दीक्षित पर जहरीला तंज कसने वाले संजय मोने?



मराठी टेलीविजन के सबसे लोकप्रिय गेम शो 'कोण होणार करोडपती' (KBC का मराठी संस्करण) के नए सीजन में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिला है. सालों तक शो को अपनी शानदार होस्टिंग से संभालने वाले दिग्गज एक्टर सचिन खेड़ेकर की जगह इस बार बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने होस्ट के रूप में एंट्री ली है. हालांकि, माधुरी दीक्षित की होस्टिंग को लेकर दर्शकों और इंडस्ट्री के लोगों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रही हैं. इसी बीच, मराठी सिनेमा और रंगमंच के वरिष्ठ एक्टर-लेखक संजय मोने की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने मनोरंजन जगत में बड़ा तूफान ला खड़ा किया है.संजय मोने ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बिना किसी लाग-लपेट के माधुरी दीक्षित की होस्टिंग पर तंज कसा था. इसका अनुवाद कुछ ऐसा था कि न जाने क्यों, आज दीक्षित मैडम का शो देखा और एक पुरानी मराठी कहावत याद आ गई- कहां इंद्र का दिव्य ऐरावत (अमिताभ बच्चन/सचिन खेड़ेकर की होस्टिंग) और कहां शाम भट्ट की टट्टानी (कमज़ोर प्रस्तुति). इससे बेहतर तो सचिन खेड़ेकर ही उस शो का शानदार संचालन करते थे.

ट्रोलिंग पर संजय मोने का जवाब

संजय मोने की इस पोस्ट के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई. जहां कई नेटिजन्स ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि उर्मिला मातोंडकर या रेणुका शहाणे जैसी एक्ट्रेस इस शो के संचालन के लिए ज्यादा उपयुक्त होतीं, वहीं माधुरी के फैंस ने संजय मोने को जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया और उनके करियर व योग्यता पर ही सवाल उठा दिए. ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब देते हुए संजय मोने ने एक और पोस्ट पब्लिश की और आलोचना करने वालों की समझने की योग्यता पर सवाल उठाए. संजय मोने ने लिखा, परसों मैंने जो लिखा, उसमें माधुरी मैडम की कला पर सवाल उठाने का मेरा कोई इरादा नहीं था. प्रश्न सिर्फ शो के प्रेजेंटेशन (प्रस्तुति) का था. माधुरी जी की खूबसूरती और एक्टिंग में कोई कमी नहीं निकाली जा सकती. लेकिन जिन लोगों ने मुझ पर गालियों की बौछार की और मेरी योग्यता पर सवाल उठाए, उन पर मुझे सिर्फ हंसी आती है.संजय मोने ने आगे कड़े शब्दों में लिखा, मेरी योग्यता पर सवाल उठाने वालों को मैं बता दूं कि मैं पिछले 42 सालों से इस इंडस्ट्री में हूं. मैंने 60 नाटक, 40 फिल्में और 30 टीवी सीरियल किए हैं. 9 फिल्मों और 7 नाटकों का लेखन किया है. 100 हजार स्तंभ लिखे हैं. किसी के विचार पर प्रतिक्रिया देने का अधिकार सबको है, लेकिन गाली देने वालों की उतनी 'योग्यता' भी होनी चाहिए और जो लोग कह रहे हैं कि चक्रव्यूह जैसा शो करके दिखाओ, उन्हें बता दूं कि मैं मराठी में जैसा टॉक शो होस्ट कर चुका हूं.

'शर्म आनी चाहिए...' मुंबई एयरपोर्ट स्टाफ की लापरवाही पर बरसे अदनान सामी



सिंगर अदनान सामी ने मुंबई एयरपोर्ट पर मिली खराब सर्विस को लेकर नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखकर खरी खोटी सुनाई है. एयरपोर्ट पर मिलने वाली प्रणाम सर्विसे, जो एक प्रीमियम पेड एयरपोर्ट सहायता सेवा है, उसको लेकर अदनान ने अपना काफी खराब एक्सपीरियंस शेयर किया है. उनका कहना है कि उनकी फ्लाइट 5 घंटे लेट थी , इस बारे में उन्हें तब बताया गया जब वो सिक्योरिटी गेट से अंदर जा चुके थे. अदनान ने कहा कि एयरपोर्ट पर उनकी सहायता के लिए एक महिला स्टाफ तैनात की गई थी, उसका बर्ताव भी ठीक नहीं था और फिर बाद में वो गायब ही हो गई थी. अदनान का सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में है. उन्होंने लिखा, मुंबई एयरपोर्ट (T2) पर प्रणाम सर्विसेज पर शर्म आनी चाहिए ! एक पुराने ग्राहक के तौर पर मुझे ये बताना पड़ रहा है कि मेरा पिछला अनुभवज्खैरज्बिल्कुल भी अच्छा नहीं था. शुरुआत में ही, हमारे पहुंचने पर कोई भी रिसीव करने के लिए मौजूद नहीं था, जबकि उन्होंने हमारे आने की पुष्टि करने के लिए मेरे स्टाफ के फोन पर कॉल किया था और ये बात तो अलग ही है कि जब से ये सर्विस शुरू हुई है, मैं सबसे शुरुआती ग्राहकों में से एक रहा हूं.

'फ्लाइट लेट होने की नहीं मिली जानकारी'

अदनान सामी ने आगे लिखा, हमारी एयर इंडिया की फ्लाइट 5 घंटे लेट थी (जो अपने आप में बेहद खराब बात थी), ये बात प्रणाम सर्विस को पता थी, लेकिन उन्होंने हमें ये जानकारी तभी दी जब हम मेन सिक्योरिटी गेट से अंदर जा चुके थे. अगर वे हमें पहले बता देते, तो हम एयरपोर्ट जल्दी आने से बच सकते थे और आराम से घर पर बैठ सकते थे. इसके बजाय उनकी लापरवाही और असावधानी के कारण हमें एयरपोर्ट पर ये लंबा और थका देने वाला इंतजार झेलना पड़ा. इसके बाद, जो महिला स्टाफ सदस्य हमारे साथ तैनात की गई थी, वो बेहद बदतमीज थी. पहली बात तो ये कि वो लगातार अपने मोबाइल फोन पर लगी हुई थी. जब हमें लाउंज से डिपार्चर गेट तक ले जाने का समय आया, तो वो आई ही नहीं. इसके बजाय उसने पोर्टर (सामान ले जाने वाला व्यक्ति) को भेज दिया. जब उससे पूछा गया कि वो कहां है, तो पोर्टर को कुछ पता नहीं था.

'स्टाफ मोबाइल फोन में बिजी'

उन्होंने ये भी लिखा, हमें बग्गी से ले जाया गया और जब हम गेट पर पहुंचे, तो पोर्टर को उसे ढूंढना पड़ा. उसने देखा कि वो एक कोने में बैठी हुई थी, और फिर से अपने मोबाइल फोन पर चैट करने में मग्न थी.

अस्सलामो अलैकुम, बिस्मिल्लाह....कोलकाता पहुंचीं ममता कुलकर्णी, मुसलमानों से बोलीं- मुझे आपके नबी बहुत प्यारे हैं

एक जमाने की मशहूर एक्ट्रेस रहीं ममता कुलर्णी फिर से चर्चा में हैं. उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो एक कार्यक्रम के दौरान लोगों से अस्सलामो अलैकुम और बिस्मिल्लाह हिर रहमानिर रहीम कहती नज़र आ रही हैं. इस वीडियो में ममता वहां मौजूद मुसलमानों से ये भी कहती दिख रही हैं कि मुझे आपके नबी बहुत प्यारे हैं. ममता कुलकर्णी का ये वीडियो कोलकाता का है, जहां वो एक इवेंट में शिरकत करने पहुंची थीं. ममता के बयान के चलते उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है.ममता कुलकर्णी वायरल हो रहे वीडियो में कहती दिख रही हैं, मुझे कलकत्ता (कोलकाता) बहुत प्यारी है. इधर जितने मुसलमान हैंज्अस्सलामो अलैकुम और बिस्मिल्लाह हिर रहमानिर रहीमज्क्या बोलूं, मेरे लिए तो सब प्यारे हैं, सब धर्म प्यारे हैं, वो एक ही है, और कोई नहीं दूसरा. और मुझे आपके नबी भी बहुत प्यारे हैं, सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम, बहुत प्यारे हैं.



इवेंट्स और शोज में होती हैं शामिल

ममता ने कोलकाता दौरे के बारे में अपने इंस्टाग्राम के वीडियोज़ में भी बताया है. उन्होंने एक वीडियो में बताया कि वो कोलताका में महाकाली पंडाल भी जाएंगी और पांच पंडालों के दर्शन करेंगी. उनके मुताबिक वो 8 और 9 नवंबर को कोलकाता में ही रहेंगी. पिछले दिनों वो राजस्थान में एक इवेंट में पहुंचीं थीं, जहां वो वेस्टर्न आउटफिट में नज़र आई थी. उन्होंने अपने कपड़ों पर कहा था कि मैं वस्त्र से क्यों बंधी हूं, श्रीकृष्ण वस्त्र से बंधे नहीं थे.

ममता का फिल्मी सफर

ममता कुलकर्णी 90 के दशक में बॉलीवुड की बड़ी एक्ट्रेस रही हैं. उन्होंने तमिल फिल्मों से लाइट कैमरा और एक्शन की दुनिया में कदम रखा था. फिर बॉलीवुड का रुख किया. फिल्म तिरंगा से उन्होंने हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था. ममता ने क्रांतिवीर, करण अर्जुन, सबसे बड़ा खिलाड़ी, बाजी, अहंकार, घातक और जाने जिगर जैसी कई फिल्मों में काम किया. हालांकि फिर वो अचानक फिल्मों से दूर हो गई थीं.

कुंभ में बनी थीं साध्वी, पर हुआ था विवाद

जनवरी 2025 में ममता कुलकर्णी को प्रयागराज कुंभ में किन्नर अखाड़े ने संन्यास की दीक्षा देकर अपना 'महामंडलेश्वर' घोषित कर दिया था. इसके बाद खूब विवाद हुआ था. बाद में ममता ने विवाद बढ़ने पर 'महामंडलेश्वर' पद से इस्तीफा दे दिया था और उन्होंने कहा था कि वो बचपन से साध्वी रही हैं और आगे भी बिना किसी पद के साध्वी के रूप में अपनी आध्यात्मिक सफर जारी रखेंगी.



आर्यवीर सहवाग का तूफान!

यूएई के खिलाफ 168 गेंदों में ठोके 160 रन, पिता सहवाग की याद दिलाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वीरेंद्र सहवाग के करियर का अंत आज से कई साल पहले हो गया था, लेकिन उनके परिवार में क्रिकेट की विरासत को उनके बेटे आगे बढ़ा रहे हैं। वो भी कोई छोटे मंच पर नहीं, बल्कि भारत के लिए अंडर 19 एशिया कप में शानदार खेल का मुजाहिरा पेश कर रहे हैं।

वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग भारत की अंडर 19 एशिया कप टीम में चुना गया है, जहां वे शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने एशिया कप के पहले मुकाबले में नेपाल के खिलाफ तूफानी 70 रनों की पारी खेली थी, लेकिन अब दूसरे मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ शतक जड़ दिया है। उन्होंने इस मैच में परिस्थितियों को परखा, उसके बाद विकेट के अनुसार अपने शॉट्स का सिलेक्शन किया। उन्होंने आज के मुकाबले में खेल की जरूरत को समझते हुए कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई और 131 गेंदों का सामना करते हुए शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के लिए उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। आर्यवीर सहवाग ने इस मुकाबले में आउट होने से पहले 168 गेंदों का सामना करते हुए कुल 160 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 चौके और 7 छक्के लगे। उनका स्ट्राइक रेट 95.24 रहा।



19 साल के हैं वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर

आर्यवीर सहवाग का जन्म 19 अक्टूबर 2007 को हुआ था। वे 19 साल के हैं। उन्होंने दिल्ली प्रीमियर लीग में कुछ मैच खेले हैं। वे दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और दाएं हाथ के ही लेग ब्रेक गेंदबाजी करते हैं। वे दिल्ली प्रीमियर लीग में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और दिल्ली लायंस के लिए खेल चुके हैं और अब इंडिया अंडर 19 की टीम में खेल रहे हैं।भारत का यह एशिया कप अंडर- 19 2026 में दूसरा मुकाबला है और इन दोनों मैचों में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर का भरपूर प्रभाव देखने को मिला है। हालांकि, बड़े मैचों में उनका प्रदर्शन अभी देखना बाकी है। उन्होंने अभी तक अपनी बल्लेबाजी संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के सामने दिखाई है। इस मुकाबले से पहले नेपाल के खिलाफ उन्होंने 52 गेंदों में 70 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ वे सिर्फ 22 गेंदों में 40 रन बना सके थे। श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ उनका प्रदर्शन कैसा रहता है देखना दिलचस्प होगा। आर्यवीर सहवाग ने वैश्विक मंच पर अभी बहुत अधिक नहीं खेला है, लेकिन एशिया कप में उनकी अब तक की बल्लेबाजी देखकर बड़े- बड़े दिगज और क्रिकेट प्रशंसक यह कहने लगे हैं की यह लड़का अपने पिता वीरेंद्र सहवाग की तरह ही लगातार निखरता जा रहा है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सीनियर सहवाग की याद दिलाई है।

बारिश बनी विलेन

हैमिल्टन में भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द

टीम इंडिया का सीरीज जीतने का इंतजार बढ़ा

हैमिल्टन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। हैमिल्टन में मंगलवार को लगातार बारिश हो रही थी जिस कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच को रद्द करना पड़ा। पहले टॉस दो घंटे से भी ज्यादा देरी से हुआ जिसमें भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। टॉस से पहले ही ओवरों की कटौती कर दी गई और मैच 40-40 ओवर का कराने का फैसला किया गया। हालांकि, टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई जिससे मैच शुरू नहीं हो सका।



शुरुआत में बारिश हल्की लग रही थी, लेकिन बीच-बीच में तेज हो रही थी। लगातार बारिश के कारण पिच को कवर्स से ढकना पड़ा और अंपायरों ने दो-तीन बार मैदान का निरीक्षण भी किया। लेकिन रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण मैच शुरू ही नहीं हो सका। कटऑफ टाइम में अभी समय था, लेकिन हैमिल्टन में पूरे दिन बारिश का पूर्वानुमान था, लिहाजा इसे रद्द घोषित करना पड़ा। शुरुआत से ही हैमिल्टन में बारिश का पूर्वानुमान जताया गया था। भारत पांच मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत के पास इस मैच को जीतकर वनडे सीरीज अपने नाम करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन टीम इंडिया का इंतजार बढ़ गया। सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट मौंगानुई में खेला जाएगा।

दर्शक हुए निराश

हैमिल्टन में भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे। बारिश का पूर्वानुमान था, इसके बावजूद क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी कि शायद उन्हें मैच देखने मिला। कई दर्शक रोहित शर्मा और विराट कोहली को खेलता हुआ देखने के लिए उत्सुक थे। हालांकि, उन्हें निराशा मिली। कोहली इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हालांकि, पिछले मैच में वह सस्ते में आउट हो गए थे। वहीं, रोहित भी न्यूजीलैंड में एक बड़ी पारी खेलने का इंतजार कर रहे हैं।



प्लेइंग-11 में नहीं किया था बदलाव

इससे पहले, भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने तीसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। गिल ने बताया था कि भारत ने अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। न्यूजीलैंड ने हालांकि, एकादश में एक बदलाव किया था और मैथ्यू फिशर को मौका दिया था। बारिश के कारण टॉस दो घंटे से अधिक समय की देरी से हुआ था।

कैसी थी दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्ष पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, अर्शदीप सिंह।
न्यूजीलैंड : विल यंग, टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लाथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, जैकब डफी, मैथ्यू फिशर।

कंबोज बोले- नेशनल टीम के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना

हैमिल्टन। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैं भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेल रहा हूं। यह काफी उत्साहजनक है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले ब्रॉडकास्टर्स से अंशुल कंबोज ने कहा, 'मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं। तो यह हरियाणा में भी, जैसा मैं कह सकता हूं, मौसम और विकेट कुछ वैसे ही है।' भारतीय टीम के लिए खेलने की खुशी से जुड़े सवाल पर कंबोज ने कहा, 'मैं उत्साहित और बहुत खुश भी हूं, क्योंकि मैं अपनी नेशनल टीम के लिए खेल रहा हूं। अपनी नेशनल टीम के लिए खेलना हर किसी का सपना होता है, इसलिए यह काफी उत्साहजनक है।' कंबोज आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा हैं। इस टीम के साथ उन्हें एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के साथ काम करने का अवसर पर मिला है। इस पर उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था। मैं अभी भी बहुत कुछ सीख रहा हूं। मैं बस यह पक्का कर रहा हूं कि मैं सही तरीके से सीख रहा हूं। परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, बल्कि इस बात पर फोकस कर रहा हूं कि मुझे क्या करना है और फील्ड पर भी क्या करना है।' कंबोज ने इंडिया ए के साथ खेलने पर मिले अनुभव पर कहा, 'यह बस मौसम के हिसाब से ढलने के बारे में था। विकेट थोड़ा ठंडा था, और मैं बस सही लेंथ और सही एरिया समझना चाहता था जहां मुझे गेंदबाजी करनी है। मैं बस उसी पर फोकस कर रहा हूं। यह विकेट और सिचुएशन के हिसाब से परफेक्ट लाइन और लेंथ के बारे में है।



शतरंज: मध्य प्रदेश के अनुज बने भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवात्री ने फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप जीतकर भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। वह अपने राज्य से इस प्रतिष्ठित खिताब को पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनुज को इस उपलब्धि पर सराहा है।

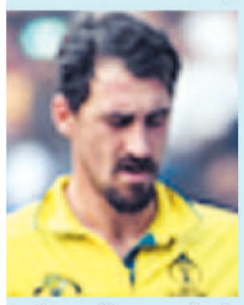


टूर्नामेंट के पहले दौर में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए अनुज ने अपने अंतिम आठ मुकाबलों में सात अंक हासिल कर यह उपलब्धि अपने नाम की। भारतीय शतरंज प्रेमियों को लंबे समय से देश के 100वें ग्रैंडमास्टर का इंतजार था, जबकि मध्य प्रदेश भी अपने राज्य के पहले ग्रैंडमास्टर के मिलने की उम्मीद लगाए बैठा था। ऐसे में यह सफलता बेहद ऐतिहासिक और खास है।

ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के अध्यक्ष नितिन नारंग ने अनुज को भारत का 100वां ग्रैंडमास्टर बनने पर बधाई दी है। उन्होंने इस उपलब्धि को भारतीय शतरंज के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर और गर्व का क्षण बताया है, साथ ही यह उम्मीद जताई है कि देश जल्द ही 200 ग्रैंडमास्टर के आंकड़े तक पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत के 100वें ग्रैंमास्टर को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! है न कमाल की बात? अब भारत में शतरंज के 100 ग्रैंडमास्टर हो गए हैं! भारत के 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवत्री को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। भारत का 100 ग्रैंडमास्टर तक पहुंचना एक अहम पड़ाव है। यह हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। इसके साथ ही यह भी दिखाता है कि युवाओं के बीच शतरंज की लोकप्रियता कितनी बढ़ रही है। उन्होने लिखा, यह देखकर बहुत खुशी होती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शतरंज प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं।

स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के दावों को किया खारिज

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के उन दावों को खारिज कर दिया कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका में केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को सैंडपेपरगेट के बारे में पता था। समर ऑफ द सेंचुरी के लिए कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट के लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए स्टार्क ने कहा कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए संयुक्त बयान पर कायम हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर सैंडपेपरगेट के बारे में कुछ भी पता था और केप टाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की गई थी। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से स्टार्क ने कहा, 'मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं। मैंने सच में इस पर (ख्वाजा के दावों की कवरेज) ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। जाहिर है, लगभग आठ साल पहले इस पर अलग-अलग राय थी। उस समय से हमें इस प्रक्रिया के बारे में बहुत ज्यादा समझाया गया था। अब, मुझे लगता है, मैं गेंदबाज की तरफ से नहीं बोलूंगा, लेकिन जहां मैं खड़ा हूं, मेरी राय नहीं बदली है। 2021 में हमने जो कहा था, उससे मेरी याददाश्त नहीं बदली है।' ख्वाजा के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि स्कैंडल के बारे में 'सबको पता था', स्टार्क ने कहा कि वह उस बयान पर कायम हैं जो गेंदबाजों ने 2021 में जारी किया था। उन्होंने कहा, 'यह जाहिर है एक किताब में है। यह किसी को और समझाना है। जहां तक ??हमारे बयान में कहा गया है (2021 में), हमें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इसे मैदान पर लिया जा रहा है। मैं इसे यहीं छोड़ता हूं। हमें नही पता था कि इसे छेड़छाड़ करने के लिए मैदान पर लिया गया था। हमने इसे केपटाउन में (पहली बार) बड़ी स्क्रीन पर देखा था।



सलीमा टेटे संभालेंगी कप्तानी

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भारतीय टीम का ऐलान



नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को सलीमा टेटे की कप्तानी में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा में नए बने इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। मिडफील्डर सलीमा टेटे पिछले महीने जापान में एशियन गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपना पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने वाली भारतीय टीम की कप्तान होंगी। वरिष्ठ गोलकीपर सविता पुनिया, जिन्होंने 2026 एशियन गेम्स में भारत की कप्तानी की थी और भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल दिलाया था, टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम गोलकीपिंग करेंगी।

मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन और तीन बार की विजेता के तौर पर उतरेगी, जिसने 2016, 2023 और 2024 में खिताब जीता है। भारत का मकसद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना और एशियन गेम्स में मिली सफलता से मिले आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए टाइटल्स की हैट्रिक पूरी करना होगा।

टूर्नामेंट में चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे

टूर्नामेंट में भारत के अलावा चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे। इंडिया की तरह, साउथ कोरिया ने भी विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी तीन बार जीती है। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, जिसमें हर टीम दूसरी पांच टीमों से एक बार खेलेगी। लीग स्टेज के आखिर में टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। चीफ कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'यह वह पल है जब मैं दूसरे खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्टेज पर अपना टैलेंट दिखाने का मौका देना चाहता हूं। कुछ प्लेयर्स नॉर्मल पोजीशन से अलग पोजीशन पर खेलेंगे, ताकि मैं देख सकूं कि वे अलग रोल में कैसा परफॉर्म करते हैं। हम घरेलू दर्शकों के सामने खेलने और बेहतर फिनिश करने के लिए उत्साहित हैं। 'पहले दिन एशिया की टॉप रैंक वाली टीम चीन का मुकाबला थाईलैंड से होगा, जबकि भारत उसी दिन ओपनिंग सेरेमनी के बाद मलेशिया के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगा।इसके बाद भारतीय महिला टीम का मुकाबला 21 नवंबर को साउथ कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा।

भारतीय टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबाम
डिफेंडर : निक्की प्रधान, ज्योति, ज्योति सिंह, सुशीला चानू लालथंतलुआंगी, पूजा साहू
मिडफील्डर : रुतुजा दादासो पिसल, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, साक्षी राणा, बलजीत कौर, इशिका

देश को गर्व

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 हमारी टीम के लिए अपनी ऐतिहासिक एशियन गेम्स जीत की लय को आगे बढ़ाने का एक अहम मौका है। मुझे यकीन है कि खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और देश को गर्व महसूस कराएंगे।'

कैरिक को झटका... क्लब कर रहा विकल्प की तलाश

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के हेड कोच के तौर पर माइकल कैरिक के भविष्य को झटका लग सकता है। प्रीमियर लीग क्लब उनके विकल्प की तलाश कर रहा है। पिछले शनिवार को मैनचेस्टर सिटी पर नॉटिंघम फॉरेस्ट की 3-1 की जीत के बाद रेलीगेशन जोन में जाने के बाद, मैनचेस्टर यूनाइटेड रविवार को एस्टन विला के साथ 4-4 के रोमांचक ड्रॉ के बाद सबसे नीचे के क्लब क्रिस्टल पैलेस से एक पॉइंट ऊपर 18वें स्थान पर है। हालांकि मैन यूनाइटेड इस बात पर जोर दे रहा है कि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। द एथलेटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, 'संभावित रिप्लेसमेंट पर काम शुरू हो गया है और 13 दिनों में लिवरपूल का सामना करने के लिए एनफील्ड जाने से पहले बदलाव किया जाएगा।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कैरिक के भविष्य पर आखिरी फैसला को-ओनर सर जिम रैटक्लिफ और क्लब के मेजोरिटी ओनर्स, ग्लेजर फैमिली से मंजूरी की जरूरत होगी। यूनाइटेड स्टेट्स के हेड कोच मौरिसियो पोचेतीनो के कैंडिडेट्स में काफी नाम आने की उम्मीद है, जबकि न्यूकैसल यूनाइटेड के पूर्व हेड कोच एडी होवे और जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नेगल्समैन कैरिक की जगह लेने की रेस में हैं। पोचेतीनो ने अगस्त में यूएसए कोच के तौर पर अपने अनुबंध को बढ़ाने के लिए साइन किया था। हालांकि, माना जा रहा है कि इस डील में ऐसे क्लॉज हैं जो उन्हें खास हाई-प्रोफाइल जॉब्स के लिए जाने की इजाजत देंगे। कैरिक को मई में दो साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर यूनाइटेड का परमानेंट हेड कोच नियुक्त किया गया था। जब वह जनवरी में हेड कोच के तौर पर यूनाइटेड लौटे थे, तब उन्होंने एक सफल अंतरिम चार्ज दिया था।



लाबुशेन को जल्द वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली। मार्नस लाबुशेन ने एक साल से ज्यादा समय में दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर किए जाने पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि वह नेशनल टेस्ट टीम में वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का उनका रास्ता अपने आप बन जाएगा। लाबुशेन को 17 महीने के अंदर दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिलेगी। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से लाबुशेन ने मंगलवार को कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर आप काफी जागरूक होते हैं। आप इसे जांच से पीछे हटने और शायद दो साल से दबाव में रहने के मौके के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। 'लाबुशेन को उनके खराब फॉर्म की वजह से बाहर किया गया। उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला 2023 एशेज से शुरू हुआ था। यह आखिरी सीरीज थी जिसमें उन्होंने सेंचुरी बनाई थी। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर होने के बाद से, उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में दो अर्धशतक लगाए हैं। 32 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी पिछली 16 पारियों में कोई अर्धशतक नहीं लगाया है। दाएं हाथ का यह खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में वापसी करेगा और क्वींसलैंड की कप्तानी करेगा, जिसका अगला शेफील्ड शील्ड राउंड बुधवार से शुरू होगा।उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मेरा रास्ता अपने आप बन जाएगा। मैंने पहले भी ऐसा किया है, और मुझे कोई शक नहीं है कि मैं वहां वापस आऊंगा। कब? कौन जानता है, लेकिन यही तो मेरी ख्वाहिश और इच्छा है। अभी, मेरे पैर क्वींसलैंड के साथ मजबूती से जमे हुए हैं और एक कप्तान, बल्लेबाज, फील्ड में और गेंद के साथ मैं जो कुछ भी कर सकता हूं, वह कर रहा हूं ताकि हम मैच जीत सकें।'



पत्नी से अवैध संबंध के शक में युवक की हत्या, आरोपी पति समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रसाद नगर थाना पुलिस और मध्य जिला के वाहन चोरी निरोधक दस्ता की संयुक्त टीम ने 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या करने में शामिल आरोपित कुणाल उर्फ मुकरी और उसके साथी पीयूष उर्फ मेंटल को गिरफ्तार कर लिया है। कुणाल को शक था कि मृतक युवक का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है, जिससे दोस्त के साथ मिलकर कुणाल ने युवक की हत्या की वारदात को अंजाम दिया। अब वह अपनी पत्नी की भी हत्या करने की साजिश रच रहा था लेकिन पुलिस ने समय रहते दोनों को दबोच कर एक और संभावित हत्या की वारदात को रोक लिया। डीसीपी मध्य जिला रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों में कुणाल, करोल बाग और पीयूष शाहपुरा तिलक नगर का रहने वाला है। कुणाल 2019 में करोलबाग थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के एक केस में शामिल रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और ठोस जांच के जरिए इस केस का पर्दाफाश किया। कुणाल की पत्नी की जान को खतरा देखते हुए पुलिसकर्मियों ने तिलक नगर स्थित उसके घर के आसपास 24 घंटे सादे कपड़ों में गुप्त निगरानी रखी और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की। कुणाल की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद कर ली गई है। चार नवंबर को प्रसाद नगर थाना पुलिस को करोलबाग के रहने वाले एक 19 वर्षीय युवक को चाकू मारे जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, जिससे वारदात में दो लोगों की संलिप्तता का सुराग मिला। तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के विश्लेषण से कुणाल और पीयूष की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला कि हत्या व्यक्तिगत रंजिश के कारण की गई। कुणाल के जेल में रहने के दौरान मृतक और कुणाल की पत्नी तीन महीने तक एक साथ रह रहे थे। इसी बात से नाराज होकर कुणाल ने बदला लेने की नीयत से अपने साथी के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। पुलिस को सूचना मिली कि कुणाल अपनी पत्नी की भी हत्या करने की भी योजना बना रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तिलक विहार, तिलक नगर स्थित उसकी पत्नी के आवास के आसपास 24 घंटे सादे कपड़ों में पैनी नजर रखी। जैसे ही दोनों तिलक विहार (तिलक नगर) में आए एडिशनल एसीपी शिवम कुमार के नेतृत्व में प्रसाद नगर के इंस्पेक्टर सुभाष, अनुज व संदीप डबास की टीम ने दोनों को दबोच लिया।

बुराड़ी में खाली प्लॉट में खून से लथपथ मिला महिला की शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में एक महिला की पत्थरों से बार-बार वार कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। करीब 37 वर्षीय महिला का शव मंगलवार सुबह वेस्ट कमल विहार स्थित एक पंप हाउस के पास खाली प्लॉट में खून से लथपथ मिला। शव मिलने की सूचना से इलाके में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला को सोमवार शाम तक इलाके में घूमते हुए देखा गया था। ऐसे में पुलिस सोमवार शाम से मंगलवार सुबह के बीच की घटनाओं की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला की किसी से रंजिश तो नहीं थी और वारदात को अंजाम देने वाला कोई परिचित था या नहीं। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच के रही है।

नोटबंदी के बाद अब वोटबंदी से लोकतंत्र को खतरा : आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोटबंदी के 10 वर्ष पूरे होने पर दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं करावल नगर के पूर्व जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में नोटबंदी से अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों की आजीविका प्रभावित हुई थी, जबकि अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। आदेश भारद्वाज ने कहा कि 8 नवंबर 2016 को सरकार ने 500 और 1000 रुपये के नोट बंद कर दिए थे, जो उस समय प्रचलित नकदी का लगभग 86 प्रतिशत हिस्सा थे। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, करीब 99.3 प्रतिशत प्रतिबंधित मुद्रा बैंकों में वापस आ गई। उन्होंने दावा किया कि नोटबंदी से छोटे व्यापारियों, असंगठित क्षेत्र और लघु उद्योगों को भारी नुकसान हुआ तथा रोजगार और उत्पादन प्रभावित हुए। भारद्वाज ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों, झुग्गी बस्तियों और मुस्तफाबाद जैसे क्षेत्रों में निवासरत लोगों के नाम भी मतदाता सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची में हटाए गए नामों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने और पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। भारद्वाज ने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बनेगी दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं घोंडा के पूर्व विधायक दत्त शर्मा ने दिल्ली में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार के प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आम परिवारों को बिजली बिल में राहत मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा के अनुसार, दिल्ली में एक लाख से अधिक लोगों का पंजीकरण योजना के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने प्रत्येक वार्ड में जागरूकता अभियान चलाकर पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाने की अपील की।

मिशन सफाई : नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस का अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर शिकंजा, 8 दिन में 2,349 उल्लंघन पर कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीड़भाड़-मुक्त सड़कों और सुरक्षित यात्रा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने 1 नवंबर से 8 नवंबर 2026 तक 'मिशन सफाई' के तहत विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इसमें सड़क किनारे अतिक्रमण, गलत पार्किंग और अन्य यातायात बाधाओं को निशाना बनाया गया। यह विशेष अभियान डीसीपी ट्रैफिक, नॉर्दर्न रेंज, डॉ. सचिन कुमार सिंघल, आईपीएस के निर्देश पर चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य खासकर त्योहारी सीजन के दौरान बिना रुकावट यातायात आवाजाही सुनिश्चित करना था। यातायात बाधाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने अवैध रूप से खड़े वाहनों, अनधिकृत सड़क किनारे विक्रेताओं और अन्य अतिक्रमणों के खिलाफ लगातार प्रवर्तन कार्रवाई की, जो यात्रियों और पैदल चलने वालों को परेशान करते हैं। 1 से 8 नवंबर के बीच गलत पार्किंग के लिए 1,772 चालान जारी किए गए, बाधा वाली जगहों से 272 ई-रिक्शा



हटाए गए, अतिक्रमण वाले इलाकों से 238 रेहड़ी/पटरी हटाई गई और गलत पार्किंग के लिए 67 वाहन टो किए गए। इस तरह कुल 2,349 उल्लंघनों/बाधाओं पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई नॉर्दर्न रेंज में मिशन सफाई के तहत की गई, जिससे सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त किया गया। कुल मिलाकर इन 8 दिनों में 2,349 उल्लंघनों/बाधाओं पर कार्रवाई की गई। इन ठोस प्रयासों का उद्देश्य सार्वजनिक सड़कों को वापस हासिल करना, पैदल चलने वालों के लिए बिना रुकावट रास्ता सुनिश्चित करना, यातायात की भीड़ को कम करना और सड़क अनुशासन को मजबूत करना है। नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने दोहराया कि सड़कें चलने के लिए हैं, अतिक्रमण या अनधिकृत पार्किंग के लिए नहीं। यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सार्वजनिक सड़कों को सभी के लिए सुलभ बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष अभियान लगातार तेज गति से जारी रहेंगे।

दिल्ली में यमुना पर पहली बार क्रूज सेवा शुरू, सोनिया विहार से जगतपुर तक छह किमी की होगी यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी।

पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को यहां यमुना नदी पर 'नमो यमुना रिवर सफारी' सेवा का शुभारंभ किया जिसके तहत सोनिया विहार से जगतपुर तक छह किलोमीटर की राउंड ट्रिप में पर्यटक क्रूज यात्रा और विभिन्न मनोरंजन गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मंत्री प्रवेश वर्मा और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के बाद श्री सोनोवाल, श्रीमती गुप्ता और अन्य नेताओं ने यमुना नदी में क्रूज की सवारी भी की।

श्री सोनोवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मां यमुना के आशीर्वाद से दिल्ली में पहली बार इस तरह की पहल संभव हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पूरी टीम ने अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ मिलकर इस पहल को सफल बनाने में सहयोग किया है। सोनिया विहार से जगतपुर तक की यात्रा में दिल्ली आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक तीन से चार घंटे तक विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

परियोजना को साकार करने में मंत्रालय को मिले पूरे सहयोग के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, प्रेरणा और नेतृत्व से ही यह काम पूरा हो पाया है। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री ने पदभार संभालने के बाद देश के अंतर्देशीय जलमार्गों के अध्ययन और अनुसंधान की पहल की थी। पहले नदी क्रूज के लिए यूरोप और समुद्री क्रूज के लिए मियामी का उदाहरण दिया जाता था तथा यह धारणा थी कि भारत में ऐसी परियोजनाएं संभव नहीं हैं जबकि देश में गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदियां हैं। भारत ने दुनिया का सबसे लंबा नदी क्रूज पूरा कर वैश्विक मानक स्थापित किया है, जिसने 3,200 किलोमीटर की यात्रा में 27 नदी प्रणालियों को पार किया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना में शुरू हुई 'नमो यमुना सफारी' केवल क्रूज, सफारी या नौका यात्रा नहीं बल्कि मां यमुना के प्रति लोगों की गहरी आस्था, प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है। यह दिल्लीवासियों के लिए नया अनुभव है जिसके लिए पहले उन्हें दूसरे शहरों और नदियों तक जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि यहां लाइट एंड साउंड शो, मनोरंजन गतिविधियों तथा बच्चों और वयस्कों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना सफारी का आनंद लेने और अपने बच्चों को पवित्र यमुना तथा प्रकृति से परिचित कराने का आह्वान किया।

श्रीमती गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सहयोग से दिल्ली में यातायात की भीड़ कम करने के लिए एक लाख 25 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं लागू की गयी हैं। इसके तहत बड़े फ्लाईओवर बनाये गये हैं और नये एक्सप्रेसवे तैयार किये गये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 21 महीनों में पर्यावरण के क्षेत्र में भी काम किया है और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के साथ त्योहार मनाने के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में दिल्ली लगातार आगे बढ़ रही है। इस दौरान राज्य सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता यमुना रिवरफ्रंट का विकास करना है, जो पूरी नदी की सफाई के बाद ही संभव है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने 18-19 महीनों में दिल्ली से गुजरने वाली यमुना की 52 किलोमीटर लंबी धारा के आधे हिस्से की सफाई की है।



गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर इस्कॉन मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश दक्षिण दिल्ली में पारंपरिक विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष शीश नवाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा भक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता और प्रकृति के प्रति श्रद्धा जैसे शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व मानवता को प्राकृतिक पर्यावरण के सम्मान एवं संरक्षण के अपने दायित्व का स्मरण कराता है तथा अपनी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है।

मंदिर प्रवास के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों एवं अन्नकूट उत्सव में भाग लिया, भगवान को अर्पित किए गए भव्य भोग के दर्शन किए तथा भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं भक्तिमय अनुष्ठानों के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ इस पावन अवसर के उत्सव में सहभागिता की। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे पर्व आस्था, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता के बंधनों को सुदृढ़ करते हैं तथा लोगों को करुणा, सद्भाव और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने इस्कॉन कम्युनिकेशंस के निदेशक बृज नंदन दास को दिल्ली विधानसभा की आधिकारिक पत्रिका 'विधान चेतना' भेंट की। यह पहल आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ विधानसभा के विधायी, सांस्कृतिक और बौद्धिक योगदान को साझा करने के महत्व को दर्शाती है।



अध्यक्ष ने मंदिर के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं से भी संवाद किया तथा आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण और भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं एवं दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर समस्त दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह पर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी समाज को धर्म, कर्तव्य, भक्ति और सामूहिक कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं तथा उनकी प्रासंगिकता युगों-युगों से बनी हुई है।

दिल्ली में दूषित पानी से हाहाकार, 20 दिनों से हजारों लोग परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में दूषित पेयजल की आपूर्ति ने हजारों लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। पश्चिम विनोद नगर सहित आसपास की कई कॉलोनियों में पिछले 20 दिनों से घरों के नलों में गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी आ रहा है। पानी से सीवर जैसी तेज बदबू आने के कारण लोग इसका इस्तेमाल पीने और खाना बनाने के लिए तो दूर, घरेलू कार्यों में भी करने से बच रहे हैं। लगातार बनी इस समस्या से स्थानीय निवासियों में संक्रमण और पेट संबंधी बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घरों में पेयजल के नियमित कनेक्शन होने के बावजूद लोगों को अपनी जरूरत पूरी करने के लिए निजी जल संयंत्रों से पानी के जार खरीदने पड़ रहे हैं। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। दीपावली जैसे त्योहार पर भी क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो सका और उन्हें साफ-सफाई से लेकर भोजन तैयार करने तक के लिए पानी का अलग से प्रबंध करना पड़ा। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पश्चिम विनोद नगर के ए, बी और ई ब्लॉक, नॉर्थ ब्लॉक तथा मंडावली के पाल मोहल्ले में दूषित पानी की समस्या लगातार बनी हुई है। लोगों का कहना है कि नल खोलते ही पानी से इतनी तेज दुर्गंध आती है कि आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो जाता है। पानी का रंग और उसकी गंध देखकर लोग उसे इस्तेमाल करने से डर रहे हैं।

रोजाना पानी खरीदने को मजबूर परिवार- दूषित जलापूर्ति के कारण लोगों को प्रतिदिन 30 से 40 रुपये खर्च करके पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है। जिन परिवारों में छोटे बच्चे और बुजुर्ग हैं, उनकी चिंता और भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित रूप से पानी का बिल चुकाने के बावजूद उन्हें स्वच्छ पेयजल के लिए बाजार पर निर्भर रहना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी राधेश्याम ने बताया कि क्षेत्र में 20 दिनों से अधिक समय से यह समस्या बनी हुई है। उनका आरोप है कि पेयजल और सीवर की पाइपलाइन आपस में मिल जाने के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंच रहा है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दूषित पानी के सेवन से लोगों को पेट संबंधी बीमारियों और संक्रमण का सामना करना पड़ सकता है।

बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी चिंता- क्षेत्र में रहने वाले अभिभावकों को विशेष रूप से छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता सता रही है। लोगों का कहना है कि दूषित पानी के कारण रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। त्योहार के दौरान भी घरों की सफाई, बर्तन धोने और खाना बनाने के लिए अलग से पानी खरीदना पड़ा। निवासियों ने सवाल उठाया कि जब वे जल बोर्ड को नियमित रूप से पानी का बिल देते हैं और उनके घरों में पेयजल के कनेक्शन भी हैं तो उन्हें स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा।

सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 15 लाख से अधिक राशन कार्डधारक परिवारों को दीपावली के मौके पर भेजी बैंक खाते में 141.88 करोड़ की राशि

नई दिल्ली, एजेंसी।

दीपावली के मौके पर मंगलवार को दिल्ली सरकार ने 15 लाख से अधिक परिवारों को मुफ्त सिलेंडर की राशि उनके बैंक खाते में भेजी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राशन कार्डधारक परिवारों को यह आर्थिक सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे सहायता राशि भेजी। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा आदि मौजूद रहे।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार अपने घोषित संकल्पों को पूरा करने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। राशन कार्डधारक परिवारों को होली और दीपावली पर आर्थिक सहायता देने की योजना इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। सरकार का प्रयास है कि त्योहारों के अवसर पर परिवारों को आर्थिक सहयोग मिले और घरेलू खर्च का बोझ कम हो। सहायता राशि सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित करने से लाभार्थियों तक आर्थिक सहयोग पहुंचाने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनती है।

जानकारी के अनुसार सरकार ने राशन कार्डधारक परिवारों को होली और दीपावली पर एलपीजी सिलेंडर के लिए आर्थिक सहायता देने की योजना बनाई थी। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष दीपावली के अवसर पर दिल्ली के 15,45,994 परिवारों के बैंक खातों में कुल 141.88 करोड़ रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। इनमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 1,24,964 परिवार और नॉन पीएमयूवाई श्रेणी के 14,21,030 परिवार शामिल हैं। इनमें पीएमयूवाई श्रेणी के प्रत्येक परिवार को 642 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। वहीं नॉन पीएमयूवाई श्रेणी के प्रत्येक परिवार को 942 रुपये की सहायता राशि दी गई।

माताओं-बहनों की बचत बढ़ाना लक्ष्य : सिरसा

दिल्ली के खाद्य-आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली की माताओं-बहनों से किए गए संकल्प को पूरा करते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे पहले होली के अवसर पर भी पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ दिया गया था। हमारा उद्देश्य केवल त्योहारों पर आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महंगाई के इस दौर में परिवारों के घरेलू खर्च को कम करने का साथ माताओं-बहनों की बचत बढ़ाना है।

दिल्ली में प्रदूषण से सांसों पर संकट, सरकार पर बरसे अरुण तोमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी के घोंडा विधानसभा के पूर्व संगठन मंत्री अरुण तोमर ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दीपावली के बाद प्रदूषण के आंकड़ों ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है। सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने के बजाय केवल प्रचार कर रही है। अरुण तोमर ने कहा कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंचने से राजधानी गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। कई इलाकों में हालात बेहद गंभीर हैं और सरकार की शीतकालीन कार्ययोजना का जमीन पर कोई प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ भी राजधानी में गंभीर होते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए सरकार और संबंधित अधिकारियों के प्रयासों को नाकाफी बता चुकी है। इसके बावजूद प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। तोमर ने कहा कि जहरीली हवा के कारण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। लाखों लोग दूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से शीतकालीन कार्ययोजना तत्काल प्रभावी ढंग से लागू करने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए कठोर कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रचार से बाहर निकलकर जनता को राहत देने के लिए धरातल पर काम करना चाहिए।

दिल्ली में आगामी सीजन में लगेंगे तीन लाख ट्यूलिप, नेहरू पार्क में बनेगा ट्यूलिप गार्डन

-एनडीएमसी आयातित बल्बों पर निर्भरता घटाने की तैयारी में, पिछले सीजन में 40 हजार बल्ब किए गए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के पार्क और सार्वजनिक स्थल आगामी वसंत में तीन लाख ट्यूलिप के फूलों से गुलजार होंगे। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने क्षेत्र में आगामी सीजन में तीन लाख आयातित ट्यूलिप बल्ब लगाएगी। वहीं, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के क्षेत्र में भी 1.67 लाख ट्यूलिप लगाए जाने की योजना है। एनडीएमसी इस साल नेहरू पार्क में एक विशेष ट्यूलिप गार्डन भी विकसित करेगी।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को लोधी गार्डन स्थित एनडीएमसी की हाईटेक नर्सरी का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने ट्यूलिप ग्रोथ-कम-स्टोरेज चैंबर, कम्पोस्टिंग सुविधा, कैक्टस हाउस और बागवानी में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक मशीनों का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्यूलिप की स्थानीय स्तर पर खेती की क्षमता विकसित करने और आयातित बल्बों पर निर्भरता कम करने के एनडीएमसी के प्रयासों की सराहना की।

स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप बल्ब तैयार करने की पहल

एनडीएमसी ने वर्ष 2022 में स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप उगाने की पहल शुरू की थी। पिछले सीजन में करीब 40 हजार ट्यूलिप बल्ब तैयार किए गए। इनमें से लगभग 24 हजार बल्ब आगामी सीजन में फूलों के लिए लगाए जाएंगे, जबकि शेष का इस्तेमाल ग्रोथ चैंबर में बल्बों का आकार बढ़ाने के प्रयोग में होगा। हालांकि, आगामी सीजन के लिए एनडीएमसी और डीडीए क्षेत्रों में कुल 4.67 लाख बल्ब खरीदने की योजना है। इनमें तीन लाख एनडीएमसी और 1.67 लाख डीडीए क्षेत्र के लिए होंगे। एनडीएमसी आम लोगों को गमलों में ट्यूलिप लगाने के लिए भी उपलब्ध कराएगी।

हर साल तैयार होंगे 80 हजार पौधे

करीब 300 वर्ग मीटर में फैली हाईटेक नर्सरी में एक चक्र में 18 से 20 हजार पौधे तैयार किए जा सकते हैं। साल में चार उत्पादन चक्रों के हिसाब से यहां करीब 80 हजार पौधे तैयार करने की क्षमता है। कैक्टस हाउस में कैक्टस और सक्यूलेंट्स की करीब 400 प्रजातियों के नमूने हैं।



पेड़ों के उपचार में ट्री एंबुलेंस की भूमिका

उपराज्यपाल ने बीमार और पुराने पेड़ों के उपचार के लिए इस्तेमाल की जा रही ट्री एंबुलेंस का भी निरीक्षण किया। इसमें हाई प्रेशर जेटिंग मशीन और पेड़ों की छंटाई व उपचार के लिए विशेष उपकरण उपलब्ध हैं। यह खोखले तनों वाले पेड़ों की ट्री सर्जरी करने में भी सक्षम है।